मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 109
बुधवार, 30 अक्टूबर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

हर खबर निष्पक्षता के साथ

रोजगार मेला में पीएम मोदी ने बांटे 51 हजार नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को रोजगार मेले के तहत 51,000 से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किए। प्रधानमंत्री ने सरकारी नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों को संबोधित भी किया। इस दौरान मोदी ने कहा कि मैं आप सभी को धनतेरस के पावन अवसर पर बधाई देता हूँ। इसके अलावा मैं यह भी कहना चाहूँगा कि यह दिवाली बहुत खास होने वाली है। यह इसलिए भी खास होगी क्योंकि 500 साल के लंबे इंतजार के बाद प्रभु रामलला के भव्य अयोध्या मंदिर में विराजमान होने के बाद यह पहली दिवाली है!

नरेंद्र मोदी ने कहा कि उत्सव के इस माहौल में आज इस पावन दिन पर रोजगार मेले में 51,000 नौजवानों को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र दिए जा रहे हैं। मैं आप सबको बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि देश के लाखों युवाओं को भारत सरकार में परमानेंट सरकारी नौकरी देने का सिलसिला लगातार जारी है। भाजपा और एनडीए शासित राज्यों में भी लाखों युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि अभी-अभी हरियाणा में तो नई सरकार बनते ही 26 हजार युवाओं को नौकरी का उपहार मिला है। इन दिनों हरियाणा में एक उत्सव का माहौल है।

मोदी ने कहा कि हरियाणा में हमारी सरकार की विशेष पहचान है। वहां की सरकार नौकरी देती तो है, लेकिन बिना खर्ची-बिना पर्ची के नौकरी देती है। मैं आज हरियाणा सरकार में नियुक्ति पत्र पाने वाले युवाओं को विशेष बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री ने दावा किया कि देश के युवाओं को ज्यादा से ज्यादा रोजगार मिले, ये हमारा कमिटमेंट है। सरकार की नीतियों और निर्णयों का भी रोजगार सृजन पर सीधा प्रभाव होता है। आज एक्सप्रेस वे, हाइवे, रोड, रेल, पोर्ट, एयरपोर्ट, फाइबर लाइन बिछाने का काम, नए-नए उद्योगों का विस्तार, देश के कोने-कोने में हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमने हर नई तकनीक में MAKE IN INDIA को आगे बढ़ाया। हमने आत्मनिर्भर भारत पर काम किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कल मैं वडोदरा में था। वहां मुझे डिफेंस सेक्टर के लिए एयरक्राफ्ट बनाने वाली factory का उद्घाटन करने का अवसर मिला। इस फैक्ट्री में हजारों लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा।

लेकिन नौकरी के जितने अवसर तैयार होंगे, उससे कहीं ज्यादा एयरक्राफ्ट के स्पेयर पार्ट्स बनाने के लिए बहुत सारे छोटे-छोटे कारखानों का जाल बनेगा। ये पार्ट्स देश के कोने-कोने में स्थित हमारे MSMEs बनाएंगे और बहुत सारे नए MSMEs आएंगे।

उन्होंने कहा कि हमारी लखपति दीदी योजना ने ग्रामीण महिलाओं को रोजगार और स्व-रोजगार के नए साधन दिए हैं। पिछले 1 दशक में 10 करोड़ महिलाएं SHGs से जुड़ी हैं।

मतलब 10 करोड़ महिलाएं स्व-रोजगार के कारण कमाने लगी हैं और सरकार ने इन्हें पूरी तरह सपोर्ट किया है।

मायावती ने बीजेपी-कांग्रेस पर लगाया आरक्षण खत्म करने की साजिश का आरोप

लखनऊ, 29 अक्टूबर। बहुजन समाज पार्टी की मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री सुप्रीमो मायावती ने भाजपा और कांग्रेस पर आरोप लगाया है कि यह पार्टियां दलितों और पिछड़ों को मिलने वाले आरक्षण कोटे में बंटवारा करने वाली एक ही थाली के चट्टे-बट्टे हैं। इन दलों के कारण दलित समाज और संविधान को चोट पहुंचाने का खतरा घटा नहीं बल्कि बढ़ा है। सोशल साइट्स एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा है कि आरक्षण को खत्म करने के लिए कोटे में बंटवारा किया जा रहा है।

बसपा सुप्रीमो ने 29 अक्टूबर मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखते हुए कहा है कि देश के करोड़ों शोषित व उपेक्षित दलितों के आरक्षण विरोधी और उनकी आपसी एकता की दुश्मन जातिवादी पार्टियों द्वारा आरक्षण में कोटे के बंटवारा किया जा रहा है। हरियाणा की भाजपा सरकार के बाद अब तेलंगाना व कर्नाटक की कांग्रेस सरकार द्वारा भी दलितों को बांटने के लिए उनके आरक्षण के भीतर आरक्षण की नई व्यवस्था को लागू किया गया है। बसपा सुप्रीमों ने कहा है कि एससी, एसटी व अन्य उपेक्षितों की राजनीतिक शक्ति को खतरा मानने वाली भाजपा, कांग्रेस व सपा जैसी जातिवादी पार्टियों के विभाजनकारी इरादों से सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने समाज के लोगों से कहा है कि इनके साम, दाम, दंड, भेद आदि हथकंडों से अधिक सावधानी जरूरी है, ताकि डा. भीमराव अंबेडकर का कारवां कमजोर ना होकर मजबूत बना रहे।

समाज में विभाजन को बढ़ावा दे रही है बीजेपी: हेमंत सोरेन

रांची, 29 अक्टूबर। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कि वह समाज में विभाजन को बढ़ावा दे रही है और उसे बढ़ा रही है तथा हाशिए पर पड़े समूहों का समर्थन करने में विफल रही है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की टिप्पणियों के जवाब में सोरेन ने भाजपा नेताओं से सीमा सुरक्षा और बांग्लादेश से कथित घुसपैठ के संबंध में अपने प्रधानमंत्री के नेतृत्व और जवाबदेही पर सवाल उठाने का आह्वान किया।

हेमंत सोरेन ने कहा कि ध्यान रखिए कि ये लोग (बीजेपी) हिंदू-मुस्लिम के बीच तनाव पैदा करते हैं, भाई-भाई में झगड़े करवाते हैं, घर-घर में फूट डालते हैं। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि आज मैं इन बीजेपी नेताओं से

पूछना चाहता हूं कि अपने प्रधानमंत्री से पूछिए। जब वो सत्ता में नहीं थे, तो किस किताब से राज चलाते थे? उन्होंने कहा था कि संविधान से देश चलना चाहिए और हिंदू-मुस्लिम के बीच दंगे होने के बाद बांग्लादेश से घुसपैठियों के लिए कौन जिम्मेदार है?इसके बाद उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत अपने लोगों का है और सीमा पर नियंत्रण पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि जब हम बांग्लादेश की बात करते हैं, तो हमें पूछना पड़ता है कि सीमा पर किसका नियंत्रण है-- यह केंद्र सरकार, बीएसएफ और राज्य सरकार के हाथ में है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री को किन परिस्थितियों में अनुमति मिलती है? किस तरह की सरकार इसकी अनुमति देती है? हमें किसी से कोई प्रचार नहीं चाहिए। सोरेन ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि आज उनके पास किसानों, मजदूरों, गरीबों, बुजुर्गों, छात्रों या महिलाओं की मदद करने के लिए पैसा नहीं है, लेकिन उनके पास अपने अरबपति दोस्तों का कर्ज माफ करने के लिए पर्याप्त पैसा है।

द्वार-द्वार सजी रंगोली, भगवान धन्वंतरि की जयंती भी मनी

- घर का कोना-कोना दमका, माता लक्ष्मी के स्वागत में जले 13 दीप
- दीपोत्सव के स्वागत में जगमगाया काशी के हर गुली-मुहल्ले

सुरेश गांधी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। धनतेरस पर जितना उत्साह दिनभर नई-नई वस्तुएं व कपड़े आदि खरीदने में रहा, उससे दोगुना घर पहुंचने पर खुशियों की रौनक से घर का कोना-कोना दमका. शाम होते ही द्वार- द्वार रंगोली सजाई गई और तेरह दीपों से मां लक्ष्मी के आगमन का स्वागत हुआ. इस दौरान जमकर मोहल्ले और कॉलोनी में पटाखे फूटें. बच्चों के साथ बड़े भी काफी उत्साहित थे. मंदिरों में

भगवान धन्वंतरि की आरती पूजा करके जयंती उत्सव मनाया गया. अब 31 अक्टूबर को दिवाली धूमधाम से मनेगा. इसी उत्साह उल्लास के साथ माहौल में मंगलवार को 5 दिनी दिवाली त्योहार की शुरूआत हुई. लोगों ने धनतेरस पर विधि विधान से धन कुबेर की पूजा अर्चना कर भगवान धन्वंतरि की जयंती मनाई. रोग दोष से मुक्ति की प्रार्थना की. आयुर्वेद के जनक भगवान जन्म धनवंतरी धनतेरस के दिन ही अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे. पौराणिक मान्यताएं हैं. इसलिए इस अवसर पर पूरे शहर में लोग पर्व को मनाने में जुटे रहे. कई जगहों पर दमा और खांसी की दवाइयां भी वैद्यों से लेने के लिए लोग पहुंचे. गुरुवार को दीपोत्सव की धूम रहेगी। लेकिन घर-आंगन अभी से झालरों से सजा दिए गए है। पूरा शहर रोशनी से जगमगा रहा है। बाजार, रिहायशी कालोनियों में लोग अपने घर को सजाने व संवारने में जुटे है। शाम होते ही बाजार और घर रंग-बिरंगी झालरों से आबाद होते है, तो देर रात जगमगता रहता है। दीपावली की खुशियां मनाने के लिए हर आम व खास जुटा हुआ है। वैसे तो धनतेरस पर ही लोगों ने एक साथ धनतेरस और दीपावली की खरीदारी पूरी कर ली है। एक ओर परंपरागत मिट्टी का दीया, खिलौना और रूई की बाती का बाजार सजा था। दूसरी और मोमबत्ती और बिजली की झालरें चमक बढ़ा रही थीं। बाजार में जगह-जगह श्री गणेश व मां लक्ष्मी की विभिन्न रंग-रूप वाली मूर्तियां खूब बिक रही हैं। सभी चीजों की कीमतें चढ़ी हुई हैं, लेकिन ग्राहकों ने कीमत की परवाह किए बिना जमकर खरीदारी की। दीपावली मनाने के लिए बड़ी संख्या में प्रवासी भी अपने घर आए हैं जिससे सभी जगह गांव-घर में रौनक है। नगर में दुकानों व इमारतों को आकर्षक लाइट से सजाया गया है। लोकल फार वोकल की अपील के चलते इस बार मिट्टी के दीये खूब बिक रहे हैं।

हरियाणा चुनाव परिणामः कांग्रेस के आरोपों को चुनाव आयोग ने किया खारिज

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर। हरियाणा चुनाव में किसी भी तरह की अनियमितता के बारे में कांग्रेस के आरोपों को चुनाव आयोग ने निराधार, गलत और तथ्यहीन बताते हुए खारिज कर दिया। आयोग ने कांग्रेस पार्टी को चुनाव दर चुनाव निराधार आरोप लगाने से बचने के लिए पत्र लिखा; पार्टी को सामान्य संदेह फैलाने के लिए आड़े हाथों लिया और कांग्रेस से इस तरह की प्रवृत्ति को रोकने के लिए दृढ़ और ठोस कदम उठाने का आग्रह किया। चुनाव आयोग ने कांग्रेस से आग्रह किया कि मतदान और मतगणना के दिनों जैसे संवेदनशील समय पर गैर-जिम्मेदाराना आरोप लगाने से सार्वजनिक अशांति, अशांति और अराजकता पैदा हो सकती है। पिछले एक साल में 5 विशिष्ट मामलों का हवाला देते हुए, चुनाव आयोग ने लंबे समय से

अनुभव रखने वाली राष्ट्रीय पार्टी से उचित परिश्रम करने और बिना किसी सबूत के चुनावी संचालन पर आदतन हमले करने से बचने के लिए कहा। सभी 26 विधानसभा क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा गहन पुनर्सत्यापन के बाद, ईसीआई ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे को लिखा कि हरियाणा में चुनावी प्रक्रिया का प्रत्येक चरण त्रुटिहीन था और कांग्रेस उम्मीदवारों या एजेंटों की निगरानी में किया गया था। ईसीआई अधिकारियों के जवाब में 1642 पृष्ठों के साक्ष्य शामिल हैं कि कांग्रेस उम्मीदवारों के अधिकृत प्रतिनिधि सभी चरणों में मौजूद थे, जिसमें कमीशनिंग के समय बैटरी रखना और उसके बाद 7-8 दिनों तक लगातार गिनती खत्म होने तक शामिल था। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने विधानसभा चुनाव में अनियमितता के बारे में कांग्रेस पार्टी की सभी शिकायतों को भी खारिज कर दिया। ईवीएम में बैटरी की स्थिति के प्रदर्शन के बारे में पूरी तरह से बाहरी बातों को खारिज करते हुए, ईसीआई ने स्पष्ट किया कि बैटरी वोल्टेज और क्षमता का ईवीएम मतगणना संचालन और अखंडता से कोई प्रासंगिकता या संबंध नहीं है।

युवाशक्ति को रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध कराने को लेकर मोदी सरकार है प्रतिबद्धः भागीरथ चौधरी

अजमेर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंगलवार को धनतेरस के दिन रोजगार मेला कार्यक्रम के तहत देशभर में विभिन्न विभागों में सरकारी नौकरियों में चयनित 51,000 युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। पीएम मोदी ने इस मौके पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए चयनित कैंडीडेट्स को ज्वाइनिंग लेटर का वितरण किया। इसी के तहत अजमेर स्थित महर्षि दयानंद सरस्वती विश्विद्यालय में आयोजित रोजगार मेला कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने सहभागिता की।

भेंट लक्ष्मी की लिये, जले मिट्टी के दिये

-विक्रम दयाल

संपूर्ण प्रकृति का दीप जब आसमान में निकलता है तब धरता का अंधेरा गायब हो जाता है. तब पृथ्वी के ऊपर चारो तरफ सूर्य प्रकाश फैल जाता है. नीद से जगे हुए इंसान और वन प्राणियों में नई चेतना जागृति हो जाता है. चहुँओर हर जीवन में खुशी की लहर से पूरा वातावरण खिलखिलाने लगता है. वनचर और अन्य पखेरू चहचहाने और इतराने लगते है. जब प्रकृति का दीपक क्षितिज में विश्राम के लिए चला जाता है तब आसमान में अशख तारों की ओ दीप शिखायें एकसाथ टिमटमाने लगती हैं. मानों आसमान में दीपों की मल्लिकायें से दीपावली मनाई जारही हो. प्रकृति का यह खेल नित्य और निरंतर चलते रहता है. और तब पृथ्वीवासी कभी न रुकने वाला यह खेल नित्य प्रतिदिन अपनी नजरों से देखते रहते हैं. जीवन के आंतरिक ह्रदय में, कुदरती अद्दष्य दीपक तो, नित्य जुगुनुओं की तरह टिमटिमाते हुए प्रकाशित करते रहता है. हम अनुभव तो कर सकते हैं मगर देख नहीं सकते हैं. मानव या हर प्राणी के अंतर्मन को प्रकाशित करने वाले ईश्वर का हम दर्शन करने के लिए नित्य आराधना करते रहते हैं. उसी तरह धनकी देवी महालक्ष्मी या धनके देवता कुबेर को पाने या दर्शन करने के लिए दीपों का त्यौहार दीपावली मनाते हैं. ताकी हमें जीवन को खुशहाल रखने के लिए धन की कमी महसूस न हो. अगर धन की देवी माता लक्ष्मी या धन के देवता कुबेर की कृपा हमारे परिवार या हम पर बनी रही तो हमारा परिवार सुख और आनंद से गुजर बसर कर सकेगा. दीपावली का त्यौहार आते ही दुल्हन की तरह बाजार या दुकाने सज धज कर ग्राहकों को लुभाने के लिए तैयार दिखाई देने लगती है. तरह तरह के दिये, तोरण, अनेकों प्रकार के बल्ब, कैंदील तरह तरह के कपडे साड़ी, सूट सलवार, और मिठाइयों और उपहारों की दुकानें, मन पसंद पटाखों की दुकानें बच्चे जवान बूढों को अपनी तरफ आकर्षित करने लगी हैं. लोग अपने अपने घरों को दीपों से सजाने के लिए मनपसंद खरीदारी करने निकल पड़े हैं. छोटा हो या बड़ा, अमीर हो या गरीब सभी अपनी हैसियत के अनुसार दीपों का त्यौहार दीपावली के दिन अपने अपने घरों में दीप जलाकर अपने घर या मकान या दुकान या छोटी बड़ी,इमारत या झोपड़ी, सभी को प्रकाशित करते ही हैं. दीपावली के दिन तो लोग दीप से दीप जलाकर भरपूर आनंद लेते हैं. दीपावली आरही हैं. अमीर और गरीब सभी लोगों के हृदय में खुशहाली का माहौल है. लोग अभी से ही खरीदारी करना शुरू कर दिये हैं. लोग मिट्टी के बने दीपों को खरीदने के लिए देखे जासकते हैं. बाजार में मिल रहे दीपक से बेहतरीन मिट्टी के बने दीप सस्ते और टिकाऊ होते हैं. पारंपरिक मिट्टी के बने दीप से प्रकाशित घरों में देवी देवताओं का वास होता है. मिट्टी के जलते दीप से प्रकाशित घरों में शांति का संचार होता है. आइये हम मिलजुल कर आपसी मतभेद, विवाद को भुलाकर दीपावली का त्यौहार मनाने के लिए अच्छी खरीदारी करें और अपने इष्ट मित्रों पड़ोसियों और रिस्तेदारों को भेट स्वरूप दीपावली की हार्दिक शुभ कामनायें दें.

क्रिकेट एक साधना है!

क्रिकेट एक साधना है क्योंकि यह खिलाड़ियों की शारीरिक और मानसिक क्षमताओं का उच्चतम स्तर पर परीक्षण करता है। क्रिकेट के लिए निरंतर अभ्यास, फिटनेस और अनुशासन की आवश्यकता होती है। खिलाड़ियों को कौशल विकसित करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। खेल साहस, धैर्य और मानसिक शक्ति पर निर्भर करता है। इस टूल की सफलता में कई लोग योगदान दे रहे हैं। इसमें खिलाड़ी, अभिभावक और प्रशिक्षक अहम भूमिका निभाते हैं। इन सभी के एक साथ आने पर ही अच्छे खिलाड़ी तैयार हो सकते हैं और खिलाड़ी क्रिकेट के खेल में सफलता हासिल कर सकते हैं। माता-पिता की भूमिका महत्वपूर्ण होती है क्योंकि वे अपने बच्चों को प्रोत्साहित करते हैं, समर्थन देते हैं और आवश्यक संसाधन प्रदान करते हैं। खिलाड़ियों के मानसिक तनाव के दौरान माता-पिता की समझ और समर्थन बहुत महत्वपूर्ण होता है।

प्रशिक्षकों की भूमिका मार्गदर्शन करना है। वे खिलाड़ियों को तकनीकी, मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार करते हैं। प्रशिक्षक खिलाड़ियों की ताकत और कमजोरियों को पहचानते हैं और उसके अनुसार योजना बनाते हैं। प्रशिक्षकों का लक्ष्य खिलाड़ियों के कौशल को बढ़ाना और उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर या अच्छे उच्च स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार करना है। इस प्रकार, क्रिकेट एक ऐसा खेल है जिसमें खिलाड़ी, माता-पिता और प्रशिक्षक सफलता प्राप्त करने के लिए मिलकर काम करते हैं। एक अच्छे प्रशिक्षक और पैसा कमाने वाले प्रशिक्षक के बीच तुलना उनके दृष्टिकोण, कार्यशैली और लक्ष्यों से स्पष्ट होती है।

1. खिलाड़ियों के विकास पर ध्यानः

एक अच्छे प्रशिक्षकः उनका मुख्य लक्ष्य खिलाड़ियों का सर्वांगीण विकास करना है। वे खिलाड़ी के तकनीकी कौशल, मानसिक दृढ़ता, शारीरिक फिटनेस और अनुशासन पर ध्यान केंद्रित करते हैं। वे खिलाड़ियों को दीर्घकालिक सफलता के लिए तैयार करते हैं।

केवल पैसे कमाने वाले प्रशिक्षकः उनका लक्ष्य केवल पैसा कमाना है। इसलिए वे खिलाड़ियों की तात्कालिक जरूरतों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, और अक्सर तकनीकी या मानसिक विकास को प्राथमिकता नहीं देते हैं।

2. प्रशिक्षण की गुणवत्ताः

अच्छे प्रशिक्षकः समय की उचित योजना, प्रत्येक खिलाड़ी की कमजोरियों और शक्तियों को ध्यान में रखते हुए व्यक्तिगत प्रशिक्षण, साथ ही आधुनिक तकनीक का उपयोग एक अच्छे प्रशिक्षक के गुण हैं।

प्रशिक्षक जो केवल पैसे की परवाह करते हैं: वे अक्सर सामान्य कोचिंग प्रदान करते हैं, किसी भी खिलाड़ी पर व्यक्तिगत ध्यान नहीं देते हैं, या तकनीकी सुधार में रुचि नहीं दिखाते हैं।

3. खेल के प्रति समर्पणः महान प्रशिक्षकः खेल के प्रति उनका जुनून और समर्पण बहुत ऊंचा होता है। खिलाड़ियों की सफलता से उन्हें असली खुशी मिलती है और वे खिलाड़ियों के साथ एक खास रिश्ता बना लेते हैं।

प्रशिक्षक जो केवल पैसे की परवाह करते हैं: वे खेल से ज्यादा अपने फायदे की परवाह करते हैं। वे खिलाड़ियों की सफलता से आगे नहीं सोचते और नतीजे से उनका कोई लेना-देना नहीं होता।

4. संचार और प्रेरणाः एक अच्छे प्रशिक्षकः वह अपने खिलाड़ियों के साथ लगातार संवाद करते है, उनके मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जानते है और उन्हें प्रेरित करते है। हर हार से सीखने की कोशिश करने की सलाह देते हैं। प्रशिक्षक जो केवल पैसे की परवाह करते हैं: उन्हें खिलाड़ियों की व्यक्तिगत जरूरतों की बहुत कम चिंता होती है, और वे प्रेरित करने के लिए बहुत कम प्रयास करते हैं। उनके दृष्टिकोण में केवल व्यावसायिकता होती है।

5. दृष्टिकोणः अच्छे प्रशिक्षकः उनका दीर्घकालिक लक्ष्य खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लाना, उन्हें आत्मविश्वास और अनुशासन सिखाना है। प्रशिक्षक जो केवल पैसे की परवाह करते हैं: उनका उद्देश्य तुरंत परिणाम प्राप्त करना है, जहां केवल पैसा प्राप्त करना मुख्य उद्देश्य है।

निष्कर्षः एक अच्छे प्रशिक्षक खेल और खिलाड़ी के विकास के लिए समर्पित होते है, जबकि पैसे कमाने वाले प्रशिक्षक केवल व्यावसायिक दृष्टिकोण से प्रशिक्षण देते है, जिसमें खिलाड़ी की दीर्घकालिक सफलता को कोई प्राथमिकता नहीं होती है। कौन से प्रशिक्षक अच्छे है? कौन सी अकादमी अच्छी है? कौन सा क्लब अच्छा है, यह हर किसी के दृष्टिकोण से अलग हो सकता है, लेकिन यदि हम अपने खिलाड़ियों का समग्र विकास करना चाहते हैं, तो हमें सभी पक्षों से यथासंभव अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त करने की आवश्यकता है। जब हमें संबंधित अकादमी या प्रशिक्षकों के बारे में जानकारी मिलती है तो हमें इसके बारे में अधिकतम जानकारी मिलती है और बदले में हमें अच्छे प्रशिक्षण स्थान और प्रशिक्षक मिलते हैं। यदि आपको एक अच्छे प्रशिक्षक मिलते है, तो यह आप पर निर्भर करता है कि आप उनसे अधिकतम लाभ कैसे उठाते हैं। खिलाड़ियों को अपना पूरा सौ फीसदी योगदान देना होगा। साथ ही माता-पिता को क्रिकेट के बारे में बहुत अधिक जानकार होने का दिखावा किए बिना प्रशिक्षक को अपना काम करने देना चाहिए। हमें सिर्फ माता-पिता की भूमिका निभानी चाहिए। हालाँकि, खिलाड़ियों को अनुशासित रहना चाहिए और अच्छे तरीके से अपना व्यक्तिगत विकास करना चाहिए और इस क्रिकेट खेल में सर्वोच्च स्थान तक पहुँचने के लिए दिन-रात मेहनत करनी चाहिए। सभी खिलाड़ियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएँ! **-डॉ. गोकुलसिंह गिरासे, क्रिकेट कमेंटेटर**

अब शायद शुद्ध भोजन की गारंटी भी नहीं रह गई है!

अशोक भाटिया

मेरा एक मित्र है जो होटल मैनजमेंट का कोर्स करता था। अब वह एक शानदार दिल्ली के किसी होटल में काम करता है। बातों बातों में उसी से पता लगा कि वो अक्सर खाना खुद ही बनाता है। मैंने उस से पूछा क्यों तुम्हें तो खाना होटल में मिल ही जाता होगा। उसने कहा मिल तो जाता है। तो मैने उस से कहा कि तुम खुद क्यों बना कर परेशान होते हो।उसने मुझ से कहा कि अरे पागल हो मरना है क्या वो खाना खाकर। कभी कभी चल जाता है, हररोज नहीं।मैंने कहा क्यों - ऐसा क्यों कह रहे हो। जवाब में उसने कहा कि ये सब्जियां और बाकी चीजें पता नहीं कब की बनाई हुई होती हैं, इन्हें हम कई दिनों तक बड़े बड़े फ्रीजर में रख के रखते हैं और दोबारा गर्म कर कर के परोसते हैं। घर पर तो हर रोज ताजा बनता है। कितना भी खराब कुछ भी होता है बस मसाले डाल कर उन्हें ठीक किया जाता है। और ये जानते हुए भी भला हम ये खाना कैसे खा सकते हैं, बताओ ।हम तो इस से अच्छा खुद ही बना ले वो ही बेहतर है। इस एक प्रकरण को पढ़कर आपको लग गया होगा कि अब शायद बाहर शुद्ध भोजन की गारंटी भी नहीं रह गई है। जब बाजार में बिकने वाली खाद्य सामग्री मिलावटी हो सकती है तो फिर घर में पहुंचाए जाने वाले बने-बनाए भोजन की शुद्धता की गारंटी का भरोसा भला कैसे किया जा सकता है! आजकल, सोशल मीडिया पर, इस संबंध में सचेत करने वीडियो और दावे प्रसारित होते रहते हैं। मगर कमोबेश पूरे देश में लुभावनी वस्तुओं के प्रति क्या बच्चे, क्या बड़े, क्या बूढ़े सभी आकर्षित हो जाते हैं। ऐसी चीजें उत्सवों, सैर-सपाटे की जगहों, मेलों आदि में खूब लोकप्रिय होती हैं।

लगता है कि घर से लेकर आम दावतों, पार्टियों, चौपाटियों या चाट-पकौड़े, आईसक्रीम या ठंडाई के नाम पर बिना किसी स्वीकृति के कुछ भी उपयोग की इजाजत हमारे देश में मिली हुई है। हद तो तब होती है जब कहीं भी कोई अपनी मर्जी से स्वाद या आकर्षण बढ़ाने के लिए किसी प्रतिबंधित और घातक सामग्री, मसालों, रसायनों आदि का गलत अनुपात में खाने-पीने की चीजों में उपयोग करता दिखता है।

यों तो खाद्य अपमिश्रण रोकने के लिए देश और हर प्रदेश में कड़े कानून हैं। इसके लिए अच्छा-खासा अमला भी तैनात है, जिसकी जिम्मेदारी मिलावटी और प्रतिबंधित खाद्य सामग्री की नियमित जांच करने की है। मगर कहां, कितनी और कब-कब जांच हुई, शायद ही किसी को याद हो? इन अधिकारियों-कर्मचारियों की सरकारी फाइलें इतनी चुस्त-दुरुस्त होती हैं कि अगर कोई पढ़ ले तो उसे लगे कि इससे सटीक व्यवस्था हो ही नहीं सकती। इस भ्रम में पड़ जाए कि ऐसे नियमों के चलते गलत खाद्य सामग्री बाजार में आ ही नहीं सकती। मगर होता ठीक इसके उलट है। अब तो घरों में मसाला तैयार करना लगभग बंद-सा हो गया है। सभी की निर्भरता बाजार पर हो गई है। पूरे देश में, चाहे गांव, कस्बा, महानगर हो, हर कहीं बाजार में तैयार भोजन या डिब्बाबंद मसालों का चलन बहुत तेजी से बढ़ा है। वहीं छोटे-बड़े शहरों, कस्बों और गांवों तक में रेस्तरां, होटल और ढाबों में शौकिया खाने जाना भी एक तरह से शान की बात हो गई है। बाहर खाने के चलन ने आनलाइन फूड को एक बड़े कारोबार का रूप दे दिया है।

मगर यह सवाल अपनी जगह है कि आखिर बाजार में बिकने वाला तैयार खाना या खाद्य सामग्री, स्वास्थ्य के लिहाज कितनी सुरक्षित है? क्या इनको तैयार करने वालों और बेचने वालों तक पहुंचने से पहले गुणवत्ता की पूरी जांच हो पाती है? इसका जवाब ज्यादातर नहीं है। ऐसे में गुणवत्ता से समझौते या स्तरहीनता को परखने का तंत्र और प्रणाली किस काम की? यह क्यों जरूरी नहीं कि बाजार में आने वाली हर खाद्य सामग्री जांच से गुजरे। इसी का फायदा निमार्ता से लेकर खुदरा विक्रेता और घर-घर पहुंचाने वालों की पूरी श्रृंखला उठाती है।

निश्चित रूप से खाद्य अपमिश्रण को लेकर भारत में जब-तब मामले और सवाल भी उठते हैं। चाहे सड़क के किनारे, बजबजाती नालियों पर लगे ठेले या रेहड़ी वाले हों या दूर-दराज स्थित ढाबे या फिर बीच शहर के होटल या स्ट्रीट फूड की जगहें। शायद ही कभी वहां नियमित जांच होती हो, जबकि इनकी निगरानी की जिम्मेदारी जिला प्रशासन या स्थानीय प्रशासन की होती है। मिलावट के खेल में, मिलावट रोकने वालों की, बेचने वालों से मिलीभगत के चलते ही नियमित रूप से मिलावट की जांच नहीं हो पाती है। दरअसल, इसके लिए अब एक आनलाइन सार्वजनिक डेटाबेस होना चाहिए।

चाहे घर से चलने वाली टिफिन कैटरिंग हो या बाजार में बनाकर बेचने या पैक करने का धंधा हो, सब जगह खाने की गुणवत्ता को लेकर सख्ती होनी चाहिए। इतना ही नहीं, परोस कर बेचे जाने वाले हर उस जगह की रसोई कैमरों की निगरानी में हो, जहां बाहर चमकती कुर्सी-टेबल पर बैठकर खाने वालों को भी दिखे कि खाना कैसे बनाया और परोसा जा रहा है। आनलाइन आपूर्ति करने वाले की रसोई भी निगरानी तंत्र पर रहें। ऐसा होने पर ही मिलावट के धंधे रुक पाएंगे और डिब्बाबंद अमानक खाद्य सामग्री या प्रतिबंधित अखाद्य पदार्थों पर लापरवाही रुकेगी। जब तक इसे लेकर नियम कठोर और सख्त नहीं होंगे तथा कानून का भय नहीं होगा, तब तक मिलावट या खाने की सामग्री में कुछ भी मिला देने पर रोक लग नहीं सकती। परचून की दुकानों, माल या बाजारों में उस क्षेत्र के स्थानीय नियंत्रणकर्ता एजंसी की जानकारी तथा संपर्क सूची अनिवार्यतः लगे, जहां गुणवत्ता में कमी या किसी दोष की शिकायत की जा सके। खाने में अखाद्य तत्त्व मिलने या खाकर बीमार पड़ने की शिकायतें तो सामने आती हैं, मगर कभी कोई नजीर बनने वाली कार्रवाई नहीं होती। ऐसे गंभीर मामले या तो पुलिस के पास पहुंचते हैं या फिर हीला-हवाली में अनदेखे या ढीले पड़ जाते हैं। अभी कुछ मसालों में कैंसर पैदा करने वाले तत्त्वों को लेकर सुर्खियां बनीं। जिस तेजी से रेडीमेड मसालों, दूसरी खाद्य सामग्री और पैक खाने का रिवाज बढ़ रहा है, उससे इस कारोबार पर भी दवाओं के निर्माण जैसी बहुत ही कड़ी निगरानी की जरूरत है। इसके लिए कड़े कानून की जरूरत है, जो देशव्यापी हों और सबको पता हों।

जनस्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ और मिलावटी कारोबार रोकना प्राथमिकता में शुमार हो। इसके लिए दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत है, जो बिना किसी दलगत राजनीति के प्रभाव में आए, लोकहित में हो, तभी इस पर अंकुश लग पाएगा। नहीं तो, सख्ती के अभाव में लोग यों ही मिलावट का शिकार होते रहेंगे।

दीयों से मने दीवाली, मिट्टी के दीये जलाएँ

-प्रियंका सौरभ

आज की भागती दौड़ती जिन्दगी में लोग अपनी परंपरा को भूलते जा रहे हैं। इसका परिणाम है कि आज देश में पर्यावरण संकट के साथ-साथ कई तरह की समस्या उत्पन्न हो रही है। जिसके चलते सभी लोग और जीव-जंतु के जीवन पर संकट है। इस परंपरा में एक दीपावली पर्व पर मिट्टी के दीये जलाना भी है। जिसको आज लोग भूलते जा रहे हैं और उसकी जगह पर इलेक्ट्रानिक लाइटों का उपयोग कर रहे हैं। लेकिन जो सुंदरता मिट्टी के दीये जलने पर दिखती है वह इलेक्ट्रानिक लाइटों के जलने से नहीं। इस बात को स्वयं लोग भी स्वीकार कर रहे हैं और इस परंपरा को लोगों के भूलने पर चिंता भी व्यक्त कर रहे हैं। मिट्टी के दीये जलाना परंपरा के साथ हमारी संस्कृति है। अपनी संस्कृति को कोई कैसे भूल सकता है। इसका सभी लोगों को ध्यान रखना चाहिए। मिट्टी के दीये जलाने के कई लाभ है। जिसका उल्लेख कई जगहों पर देखने और सुनने को मिलता है। इसलिए सभी लोग मिट्टी के दीयें जलाएँ।

दीपवली का त्यौहार मिट्टी के दीये से जुड़ा हुआ है। यह हमारी संस्कृति में रचा-बसा हुआ है। दीया जलाने की परंपरा आदि काल से रही है। भगवान राम की अयोध्या वापसी की खुशी में अयोध्यावासियों ने घर-घर दीप जलाया था, तब से ही कार्तिक महीने में दीपों का यह त्यौहार मनाये जाने की परंपरा रही है। पिछले दो दशक के दौरान कृत्रिम लाइटों का क्रेज बढ़ा है। आधुनिकता की आंधी में हम अपनी पौराणिक परंपरा को छोड़कर दीपावली पर बिजली की लाइटिंग के साथ तेज ध्वनि वाले पटाखे चलाने लगे हैं। इससे एक तरफ मिट्टी के कारोबार से जुड़े कुम्हारों के घरों में अँधेरा रहने लगा, तो ध्वनि और वायु प्रदूषण फैलानेवाले पटाखों को अपना कर अपनी सांसों को ही खतरे में डाल दिया। अपनी परंपराओं से दूर होने की वजह से ही कुम्हार समाज अपने पुश्तैनी धंधे से दूर होता जा रहा है। नहीं ले रहे। जिसका नतीजा है कि आज दीपावली पर्व में लोग घर में दो-चार मिट्टी के दीये जला कर सिर्फ. एक परंपरा को किसी तरह निर्वहन कर रहे हैं। ज्यादातर लोग इलेक्ट्रानिक लाइटों, झालर और अन्य लाइटों को जला कर ही लोग मिट्टी के दीये जलाएँ। इससे प्रदूषण भी नहीं होगा और परंपरा भी जीवंत रहेगी। दीपावली पर्व पर मिट्टी के दीये जलाना पूर्वजों के द्वारा बनाई गई परंपरा है। इसे हम सभी लोगों को बरकरार रखना चाहिए। दिवाली में मिट्टी के दीये जलाना हमारी संस्कृति चाहिए कि हमारी संस्कृति और परंपरा का निर्वहन करना युवाओं के कंधे पर ही है। गाँव या किसी शहर में जो कुम्हार है वह आज भी मिट्टी के दीये बनाते हैं। इसमें उन्हें सिर्फ. आमदनी का लालच नहीं होता बल्कि उनमें अपनी संस्कृति और परंपरा को बरकरार रखने का उत्साह होता है। लेकिन लोग इसे भूलते जा रहे हैं।

आधुनिकता के दौर में दीपोत्सव पर मिट्टी की दीये जलाने की परंपरा विलुप्त हो रही है। इससे सामाजिक रूप से व पर्यावरण पर गलत प्रभाव पड़ने की आशंका को नकारा नहीं जा सकता है। पर्यावरण को बचाने के लिए जरूरी है आमजन दीपावली पर मिट्टी के दीये जलाने व पटाखे नहीं चलाने का संकल्प लें। इस दीपावली मिट्टी के दीये जलाएँ, तभी पर्यावरण बचाने में हम सफ ल हो पायेंगे।आधुनिकता के दौर में दीपोत्सव पर मिट्टी की दीये जलाने की परंपरा विलुप्त हो रही है। इससे सामाजिक रूप से व पर्यावरण पर गलत प्रभाव पड़ने की आशंका को नकारा नहीं जा सकता है। पर्यावरण को बचाने के लिए जरूरी है आमजन दीपावली पर मिट्टी के दीये जलाने व पटाखे नहीं चलाने का संकल्प लें। इस दीपावली मिट्टी के दीये जलाएँ, तभी पर्यावरण बचाने में हम सफल हो पायेंगे।

दूसरे रोजगार पर निर्भर होने लगे हैं। एक समय था जब दीपावली पर्व को लेकर लोग मिट्टी के दीये खरीदने के लिए पहले ही कुम्हार को आर्डर कर देते थे। तब गाँव या अन्य किसी गाँव के कुम्हार के घर के सभी सदस्य काम में व्यस्त होते थे।

दीपावली पर्व पर कई लोगों के आर्डर को पूरा करने में दिन रात एक कर मेहनत करते थे। हालांकि उस समय उतनी आमदनी नहीं होती थी, लेकिन कुम्हारों को भी एक रुचि रहती थी कि इस परंपरा को जीवंत रखना है। लेकिन आज लोग मिट्टी के दीये जलाना धीरे-धीरे कम कर दिए हैं, इससे अब कुम्हार भी इसमें रुचि दीपावली पर्व में अपने घर को रोशनी से जगमग करने की कोशिश कर रहे हैं। हम सभी अब दीपावली के नाम पर पर्यावरण को दूषित कर रहे हैं। अब हमें पुनः अपनी परंपरा को समझना होगा। हमें मिट्टी के दिये जलाने की परंपरा की पुनः शुरूआत करनी होगी। इससे कीड़े मकोड़े मरते हैं। झालर और लाइट से कीड़े नहीं मरते। हमारी संस्कृति सरसों के तेल के दिये जलाना है, अच्छे पकवान बनाना, मिठाइयाँ खाना और पड़ोसी को भी खिलाना, लोगों को उपहार देना आदि है। लेकिन लोग अब उतने समझदार नहीं हैं इसलिए पटाखे छूटेंगे। और प्रकृति से जुड़ने का बहुत ही सुगम साधन है। यह भारतीय संस्कृति में बहुत ही शुभ और पवित्र माना जाता है। मिट्टी के दीये प्रेम, समरसता और ज्ञान के प्रतीक हैं। सामाजिक व आर्थिक आधार पर भी दीयों की खूबसूरती जगजाहिर है। इस बार दीपावली के दिन मिट्टी के दीये जलाने का संकल्प लेकर संस्कृति का बचाव करना है। सभी लोग मिट्टी के दिये ही जलाएँ। आज की युवा पीढ़ी इलेक्ट्रानिक लाइटों के प्रति अधिक रुचि रख रही है। घरों को सजाने से लेकर दीये जलाने में इलेक्ट्रानिक लाइटों का ही उपयोग कर रही है। जबकि यह सोचना

परंपरा व पर्यावरण के संरक्षण के लिए मिट्टी के दीये जलाना है। इनसे कोई प्रदूषण नहीं होता। कृत्रिम रोशनी आंखों और त्वचा के लिए हानिकारक होती है। मिट्टी के दीये की रोशनी आंखों को आराम पहुँचाती है। मिट्टी के दीये हमारी संस्कृति के एक अहम अंग हैं। दिवाली पर इसे जलाकर हम अपनी परंपराओं को याद रखते हैं। मिट्टी के दीये बनाने वाले कारीगरों को प्रोत्साहित करने का भी यह अच्छा मौका है। आइये, इस दीपावली, हम सभी मिलकर मिट्टी के दीये जलाएँ और एक स्वच्छ और हरा-भरा पर्यावरण बनाने में अपना योगदान दें। लोगों को इस पर विचार करना चाहिए। वर्तमान में अपनी परंपरा को बरकरार रखने और पर्यावरण बचाने के लिए इस दीपावली मिट्टी की दीये जलाने के प्रति लोगों खास कर बच्चों व युवाओं को जागरूक करने के लिए अभियान भी चलाएँ।

कलम से क्रांति-कलम से ही भ्रांति' लेखन कला में असीमित सामर्थ्य और क्षमताएं

संजीव ठाकुर

शब्दों की महिमा को अपरंपार और अक्षर को नश्वर बताया गया है ।वैसे तो लेखनी की तीव्रता तलवार से ज्यादा नुकीली और भाले से ज्यादा चुभने वाली होती है। तलवार की धार से मनुष्य एक बार बच भी सकता है पर लेखनी से लिखे गए शब्द व्यक्ति को मृत्यु सा मूर्छित कर देते है। इसीलिए चिंतकों ने कहा है बोलने से पहले और लिखने से पहले कई बार सोचें और बोलने के बाद सोचने वाला व्यक्ति समाज में मूर्खों की श्रेणी में गिना जाता है। राजनीति और कूटनीति में सारी जद्दोजहद शब्दावली और भाषणों की होती है कूटनीति में एक शब्द के कई अर्थ निकाले जाते हैं और उससे अपना हित अहित साधा जाता है।

मुंह से बोले गए शब्द और वाक्य बहुत सकारात्मक भी हो सकते हैं और बड़े ही भयंकर नकारात्मक भी हो सकते हैं। एक ही शब्द कहीं पर बड़े से बड़ा दंगा करवा सकते हैं और कहीं पर बोले गए प्यार के शब्द बड़े-बड़े विवादों में सुलह करा सकते हैं। शब्द की परिणति उसकी मुक्ति ही करती है। बड़े-बड़े राजनेता अभिनेता अपने मुंह से बोले गए शब्दों से लोकप्रियता के चरम पर पहुंच जाते हैं और कहीं किसी नेता के मुंह से निकला हुआ शब्द बाण समाज में विषाद और जहर भर देता है। शब्दों के जादूगर बड़ी-बड़ी आम सभाओं में सोच समझकर इस्तेमाल कर अपना सार्थक प्रभाव छोड़ते सत्ता परिवर्तन भी शब्दों के माया जाल से हि होता है। अंग्रेजी साहित्य में अरनेस्ट हेमिंग्वे को शब्दों का जादूगर माना जाता था उनके शब्दों का प्रभाव सीधे पाठकों के दिल तक पहुंच जाता था इसी तरह हिंदी में तुलसीदास विश्वव्यापी कवि है उनकी वाणी में सत्य और अमृत है। आधुनिक हिंदी साहित्य मेंअज्ञेय जी को इसी श्रेणी में रखा जा सकता है उनकी शब्दावली कठिन होते हुए भी पढ़ने वालों के मर्म तक पहुंच जाती है। महान कथाकार मुंशी प्रेमचंद हिंदी और देवनागरी लिपि को आत्मसात कर उपन्यास तथा कहानी और लिख कर अमृत्व को प्राप्त किया है। देवकीनंदन खत्री जी ने भी उपन्यासों खाकर चंद्रकांता संतति, भूतनाथ पढ़ने के लिए हिंदी को सीखा और मनन किया और लोकप्रिय उपन्यास की उत्पत्ति की, कबीर अपने फक्कड़पन की भाषा के कारण उत्तर भारत के सभी दिलों में समाए हुए हैं। निसंदेह शब्द जीवंतता प्रदान करते हैं और जीवनशैली को बेहतर बनाने की ओर अग्रसर करते हैं और द्रौपदी द्वारा कहे गए शब्द महाभारत की उत्पत्ति का कारण बनते हैं। इसलिए सदैव कहा जाता है की संभलकर बोलने से सद्गति प्राप्त होती है। इसीलिए तो संभल कर सही और उपयुक्त शब्दों का इस्तेमाल करना चाहिए। जो सदैव अच्छा वक्ता होता है अपने विचारों को संभल कर बोलता है भले ही वह दिलों को ना छुए पर उसका जनमानस को जीतना तय होता है और संसार पर वही राज करता है जो अपने शब्दों का सही इस्तेमाल करता है, गलत शब्द से, गलत संभाषण से गलत विचारों से बोला गया वाक्य प्रलय भी ला सकता है। शब्दों को तौल कर विचार कर बोलना चाहिए अन्यथा उसके नतीजे भयानक भी हो सकते हैं। शब्दों की मार बहुत ही तेज और बहुत मीठी भी होती है एक शब्द महायुद्ध करवा सकता है और दूसरा शब्द ऐसी शीतल फुहाँरे छोड़ता है कि सारा युद्ध उन्माद अखंड शांति में बदल जाता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अमेरिका रूस ,जापान, यूरोपीय देशों में दिए वहां के राष्ट्रपति व राजनेताओं द्वारा दिए गए भाषणों संभाषणों से युद्ध और कई बार शांति स्थापित हुई है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति प्रधानमंत्री तथा उनके कैबिनेट के मंत्री अपने दिए गए वक्तव्य से ही सारी दुनिया से अलग अलग हो गए हैं। और भड़काऊ भाषण के कारण आज दुर्गति को प्राप्त हुए हैं। भारत शांति का दूत माना जाता है शांति स्थापना की सदैव मीठी वाणी बोलता आया है और यही कारण है कि भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति का पुजारी एवं दूत कहा जाता है एवं सदैव अंतर्राष्ट्रीय विवादों में उनके राजनेताओं को मध्यस्थता अथवा समझौते के लिए आमंत्रित किया जाता रहा है। यही कारण है कि रूस यूक्रेन के लंबे युद्ध में विश्व के पूरे देश एवं रूस तथा यूक्रेन के राजनेता भी भारत की ओर युद्ध की शांति की पहल की प्रतीक्षा कर रहे हैं। यही कारण है की युवा पीढ़ी को सदैव कम बोलने, सदाचारी संभाषण देने के लिए प्रेरित किया जाता रहा है भारत की सांस्कृतिक तथा साहित्यिक विरासत को सत साहित्य और संतुलित भाषा का मनुष्य तथा समाज के विकास के लिए पर्याय माना गया है। इसीलिए संतुलित भाषा मीठी भाषा बोलने से सदैव समाज तथा देश का वातावरण विकास के अनुकूल होता आया है।

नागरिकों की सतर्कता से ही रोके जा सकते हैं साइबर अपराध

समाज समाज में इंटरनैट की मदद से तकनीक के बढ़ते उपयोग के साथ ही साइबर अपराध यानी तकनीक से जुड़े अपराधों में भी जबरदस्त वृद्धि हो रही है। यह एक संगठित ऑनलाइन आर्थिक अपराध माना गया है जिसे कि देश विरोधी तत्वों द्वारा एक बेहद ही सुनियोजित तरीके से चलाया जा रहा है। लोगों की कड़ी मेहनत की कमाई को एक ही झटके में ठगने के लिए साइबर अपराधी लगातार नित नए तरीके अपना रहे हैं। ये अपराधी इस कदर शातिर और बेखौफ हैं कि केंद्रीय जांच ब्यूरो, नारकोटिक्स विभाग, भारतीय रिजर्व बैंक और प्रवर्तन निदेशालय समेत कानून लागू करने वाली तमाम अन्य एजेंसियों की हू-ब-हू नकल करते समय किसी को भी अपने गलत होने की तनिक भी भनक नहीं लगने देते।

हाल के समय में देश के विभिन्न भागों में हर उम्र वर्ग के लोगों, यहां तक कि प्रबुद्ध व शिक्षित वर्ग के लोगों को भी इन शातिरों ने अपना शिकार बनाया है। किसी व्यक्ति को डिजिटल तौर पर बंधक बना कर भारी-भरकम लूटने की घटनाएं अक्सर देश भर के मीडिया की सुर्खियां बन रही हैं। आगरा की ऐसी ही एक हृदय विदारक घटना ने तो सभी को झकझोर कर रख दिया, जिसमें एक अधेड़ उम्र की महिला शिक्षिका ने ऐसे ही साइबर अपराधियों द्वारा उसके परिजनों पर लगाए बेहद संगीन झूठे आरोपों से व्यथित होने के बाद अपनी जीवन लीला ही समाप्त कर ली।

निश्चित रूप से हमारे सभ्य समाज के लिए ऐसी घटनाएं एक बेहद ही चिंताजनक पहलू हैं कि एक सुशील नागरिक तथ्यहीन और झूठे आरोपों के चलते अकारण अपनी जान दे दे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आकाशवाणी पर रविवार को प्रसारित अपने ह्यमन की बात कार्यक्रम में भी डिजिटल अरैस्ट की चर्चा करते हुए लोगों को सावधान रहने की सलाह देते हुए यह स्पष्ट किया कि देश के कानून में डिजिटल अरैस्ट जैसी कोई व्यवस्था है ही नहीं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार पिछले वर्ष प्रति एक लाख नागरिकों पर साइबर अपराध से जुड़े 129 मामले दर्ज हुए हैं। साइबर अपराध संबंधी यह वह संख्या है जो कि ब्यूरो के पोर्टल पर रिपोर्ट हुई है जबकि इससे कहीं अधिक ऐसे मामले भी निश्चित रूप से रहे होंगे जिनमें साइबर ठगी का शिकार लोगों ने खामोश रह कर नुकसान झेलना ही बेहतर समझा होगा। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार साइबर अपराध की संख्या में अमरीका और इंगलैंड के बाद दुनिया में भारत तीसरा ऐसा देश है जहां ये अपराध लगातार आसमान की ऊंचाई की तरफ अग्रसर हैं। आम व्यक्ति ही नहीं बड़ी-बड़ी कारोबारी कंपनियां, व्यापारिक प्रतिष्ठान और बड़े औद्योगिक घराने भी साइबर अपराधियों का निशाना बन रहे हैं। इसे देखते हुए अनेक कंपनियों ने साइबर अपराधियों के आक्रमण को रोकने के लिए विशेषज्ञों की सेवाएं ली हुई हैं। भारत सरकार का गृह मंत्रालय साइबर अपराध पर लगाम लगाने के लिए लगातार प्रयत्नशील है और अन्य मंत्रालयों व एजेंसियों के साथ मिलकर इस दिशा में कई कदम उठाए भी गए हैं। गृह मंत्रालय साइबर अपराध के मामलों की पहचान के लिए राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस अधिकारियों को तकनीकी सहायता समेत अन्य विभिन्न किस्म की सहायता उपलब्ध करवा रहा है। देश के नागरिकों को साइबर अपराधियों से बचाने के लिए भले ही भारत सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है मगर इसकी सफलता के लिए आम नागरिकों की जागरूकता व सतर्कता भी बेहद जरूरी है। नागरिकों की सतर्कता से ही ऐसे अपराधियों व समाज विरोधी तत्वों के इरादों को पस्त कर साइबर अपराध से खुद को सुरक्षित किया जा सकता है। किसी भी अनजान कॉल, एस.एम.एस. और ई-मेल से पूरी तरह सचेत रहना जरूरी है। किसी भी नागरिक के पास आने वाली हर संदिग्ध फोन कॉल को लेकर साइबर अपराध की हैल्पलाइन नंबर 1930 पर जानकारी सांझा की जाए और घटना की तुरंत रिपोर्ट की जाए ताकि साइबर अपराध रोकने में लगी विभिन्न एजैंसियां अपना कार्य समय पर करके पीड़ित नागरिक को राहत दिलवाने में मददगार बन सकें। भले ही चुनौती बड़ी है लेकिन नागरिकों की सतर्कता और जागरूकता से इससे आसानी से निपटा जा सकता है। पंजाब में भी पुलिस विभाग ने 28 नए साइबर पुलिस थानों के साथ-साथ अपनी साइबर हैल्पलाइन 1930 को मजबूत करते हुए अति उन्नत कॉल सैंटर स्थापित किया है। इसके साथ ही साइबर अपराध से जुड़े मुद्दों पर लोगों की मदद के लिए साइबर मित्र चैटबॉट लांच किया गया है। इसी कड़ी में देशभर के सभी शिक्षण संस्थानों खास तौर पर स्कूलों में बच्चों को साइबर अपराधों से निपटने के लिए सभी तरह की जानकारी उपलब्ध करवाना समय की एक बड़ी मांग है हालांकि इस दिशा में प्रयास किए भी गए हैं मगर उन्हें और अधिक रफ्तार देने की जरूरत है।-शिशु शर्मा

राज्यस्तरीय स्कूली ताइक्वांडो प्रतियोगिता के लिए आर्यन येवले का चयन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। जिला खेल अधिकारी, पालघर द्वारा आयोजित विभागीय स्कूल ताइक्वांडो प्रतियोगिता शुक्रवार, 25 अक्टूबर 2024 को तालुका स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, पालघर में आयोजित की गई थी। राम निरंजन झुनझुनवाला कॉलेज, घाटकोपर (पश्चिम) का छात्र आर्यन संदीप येवले ने उक्त प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। खेल और युवा सेवा निदेशालय, महाराष्ट्र राज्य और जिला खेल अधिकारी, पुणे स्कूल राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता 29 से 31 अक्टूबर 2024 को पुणे में आयोजित की जाएगी। आर्यन येवले का चयन किया गया है. हिंदी विद्या प्रचार समिती के अध्यक्ष डॉ राजेंद्र सिंह , राम निरंजन झुनझुनवाला कॉलेज की उप प्राचार्य मैडम वर्षा सुब्बरमन और खेल निदेशक डॉ. यतिन राणे और सभी पदाधिकारियों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की ओर से, ताइक्वांडो एसोसिएशन ऑफ सबअर्बन मुंबई के अध्यक्ष संदीप येवले, सचिव संदीप चव्हाण, कोषाध्यक्ष कल्पेश गोलंबडे और सभी जिलों के पदाधिकारियों ने आर्यन को बधाई दी और हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

अखिल भारत हिन्दू महासभा के महाराष्ट प्रदेश सचिव बने कमलेश यादव

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अखिल भारत हिन्दू महासभा ने हिंदू संस्कृति और धरोहर की एकता और उत्थान के लिए समर्पित पवई के जाने माने समाजसेवी कमलेश रामाधार यादव को महाराष्ट्र प्रदेश सचिव के पद पर नियुक्त किया है। समाजसेवा और धार्मिक गतिविधियों में उनके दीर्घकालिक योगदान को ध्यान में रखते हुए यादव को यह नियुक्ति पत्र राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित नन्द किशोर मिश्रा और राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री शिवशंकर मिश्रा द्वारा प्रदान किया गया। इस महत्वपूर्ण पद पर रहते हुए यादव महाराष्ट्र में हिंदू एकता, सांस्कृतिक मूल्यों, और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने का कार्य करेंगे।

बता दें कि 1915 में स्थापित अखिल भारत हिन्दू महासभा अखंड भारत और हिंदू राष्ट्र के निर्माण के संकल्प के प्रति प्रतिबद्ध है। यादव अब महाराष्ट्र में संगठन को सुदृढ़ करने, युवाओं और धर्मप्रेमियों के साथ समन्वय करने और हिंदू संस्कृति के सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए कार्य करेंगे।

इस अवसर पर कई प्रमुख हस्तियों और शुभचिंतकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। जिनमें प्रमुख रूप से डॉ. संदीप सिंह, डॉ. करुणेश चौबे, संदीप यादव, प्रमोद यादव, रमेश शर्मा, प्रमोद तिवारी (उर्फ पोपट), विजय नारायण तिवारी, बीना यादव, मंदा म्हात्रे, और निलेश जागुस्ते शामिल थे। सभी ने यादव को इस महत्वपूर्ण भूमिका में सफलता की शुभकामनाएं दीं। श्री कमलेश यादव अपने कार्यकाल के दौरान, संगठन के सिद्धांतों और दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए अखिल भारत हिन्दू महासभा को महाराष्ट्र और वैश्विक स्तर पर धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से हिंदू एकता और सांस्कृतिक पहचान को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत और समर्पित रहेंगे।

भव्य शक्ति प्रदर्शन के साथ नजीब मुल्ला ने किया अपना नामांकन दाखिल

ठाणे। 149 कलवा मुंब्रा विधान सभा सीट से राष्ट्रवादी काँग्रेस, शिवसेना, भाजपा, आरपीआय झ आठवले गुट , आरपीआय झ कवाडे गुट सहित महायुति के हजारों कार्यकताओं के उपस्थित में सोमवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की ओर से नजीब मुल्ला ने सोमवार को अपना नामांकन दाखिल किया.उक्त अवसर पर राष्ट्रवादी काँग्रेस प्रदेशाध्यक्ष एवं सांसद सुनील तटकरे, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के ठाणे शहर अध्यक्ष आनंद परांजपे, राष्ट्रवादी काँग्रेस अल्पसंख्याक महामंडल के चेअरमन मुश्ताक अंतुले, राष्ट्रवादी युवक काँग्रेस प्रदेशाध्यक्ष सुरज चव्हाण, शिवसेना विधायक प्रताप सरनाईक, शिवसेना उपनेता दशरथ पाटिल , शिवसेना कल्याण जिला प्रमुख गोपाल लांडगे, भाजपा विधायक निरंजन डावखरे, भाजप ठाणे जिला अध्यक्ष संजय वाघुले, आरपीआय (आठवले गट) ठाणे जिला अध्यक्ष भास्कर वाघमारे, पीआरपी ठाणे जिला अध्यक्ष महेंद्र पवार आदि उपस्थित थे. कलवा मुंब्रा विधानसभा के प्रत्याशी नजीब मुल्ला ने बताया पानी की समस्या का निवारण, विकसित भूखंड को भू माफिया से सुरक्षा करने के अलावा सभी गरीबों जरूरतमंदों के साथ मिलकर काम करेंगे. आगे उन्होंने कहा 15 वर्षों तक झूठे वादे कर भाजपा को लेकर जनता के सामने भ्रमित करने का काम किया है.जबकि कलवा मुंब्रा विधानसभा क्षेत्र से पूर्व नगर सेवक प्रकाश बर्डे, राजन किणे, अनिता किणे, राजेंद्र साप्ते, उमेश पाटिल , मोरेश्वर किणी, विश्वनाथ भगत, गणेश सालवी, मनोज लासे, विजया लासे, गणेश कांबले , वहिदा खान, अंकिता शिंदे, रुपाली गोटे, आशरीन राऊत, हफिजा नाईक, प्रियांका पाटिल , हसिना अब्दुल अजीज शेख आदि मौजूद थे.

नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज में भगवान श्री धन्वंतरि महायज्ञ संपन्न

प्रेम चंद मिश्रा

नालासोपारा(उत्तरशक्ति)। सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक स्वास्थ्य के माध्यम से विश्व कल्याण की भावना से प्रेरित होकर, जन आरोग्य और जनभागीदारी से 29 अक्टूबर 2024 को धन्वंतरि जयंती पर कॉलेज में सुबह 10:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक स्वास्थ्य के देवता भगवान श्री धन्वंतरि महायज्ञ का आयोजन किया गया। इस यज्ञ में कॉलेज के सभी वरिष्ठ अधिकारी, अध्यापक, अध्यापकेतर कर्मचारी, विद्यार्थी, रुग्ण एवं उनके परिवार के सदस्य और नालासोपारा वसई विरार क्षेत्र के लोगों ने भाग लिया और सूंठ, धनिया, गुड़, सुखा मेवा आदी औषधीय प्रसाद एवं महाप्रसाद का लाभ लिया।

इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष जय प्रकाश दुबे, सचिव डॉ. ओमप्रकाश दुबे, ट्रस्टी डॉ. ऋजुता दुबे, अमित दुबे, विशाल दुबे, डॉ. अनुज दुबे और प्राचार्य डॉ. हेमलता शेंडे ने सपरिवार उपस्थित होकर अश्वगंधा, बिल्वपत्र, आंवला, गुडूची, गुग्गुल, मुलेठी, तुलसी के बीज, शतावरी, अतसी, लौंग, गोमय, अबीर, कमल, काले तिल, अशोक, तगर, मंजिष्ठा, गुलाब केसर, शिवलिंगी बीज, अजवायन, मेहंदी बीज, जटामांसी आदि यज्ञ में अर्पित कर महाप्रसाद का लाभ लिया गया। इस यज्ञ में नालासोपारा, वसई, विरार क्षेत्र के कई गणमान्य लोग शामिल हुए, 132 विधानसभा नालासोपारा से भाजपा प्रत्याशी राजन नाईक ने धन्वंतरि यज्ञ में भाग लिया और समिधा चढ़ाकर स्वास्थ्य के देवता धन्वंतरि का आशीर्वाद लिया और नालासोपारा की जनता के स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना की। महायज्ञ काफी उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ. धन्वंतरि यज्ञ के शुभारंभ से पहले स्मार्ट प्रकाशन द्वारा प्रकाशित छह पुस्तिकाओं का विमोचन संस्था के अध्यक्ष जयप्रकाश दुबे और कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. ओमप्रकाश दुबे ने किया। इस अवसर पर वसई जनता सहकारी बैंक के सेवानिवृत्त अधिकारी कुन्दन खांडेकर ने समाज में समरसता पैदा करने वाली सभी पुस्तकों को बताया।

महाविकास गठबंधन ने संगीता वाजे को मुलुंड से नामांकित किया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुलुंड विधानसभा इन दिनों सुर्खियों में है। चुनाव के लिए महाविकास गठं बंधन द्वारा संगीता भरत वाजे इनको नामांकित किया गया है. संगीत वाजेने आज अपना नामांकन दाखिल किया। इस अवसर पर मुलुंड कांग्रेस के कैलाश पाटिल, युवा सेना कार्यकारिणी सदस्य राजोल पाटिल, उप विभाग प्रमुख नितिन चवरे, सीताराम खांडेकर, दिनेश जाधव, विधानसभा संघटीका नंदिनी सावंत, नासिक जिला मराठा मंडल अध्यक्ष कोंडाजी जाधव, पूर्व उपविभाग प्रमुख सुनील गारे, विजय वैती और महाविकास गठबंधन के पदाधिकारी और शिवसैनिक बड़ी संख्या में मौजूद थे।

मुलुंड के केशव पाड़ा, संमिश्र हा. सोसायटी के चुनाव में अमित यादव पैनल जीता

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुलुंड प. पर स्थित केशव पाड़ा संमिश्र को.आप.हाउसिंग सोसायटी लि. के चुनाव एस.आर.ए. द्वारा नियुक्त चुनाव अधिकारी रणजीत चव्हाण की देखरेख में संपन्न हुआ।

अमित यादव एवम कन्हैयालाल गुप्ता पैनल की चुनाव मे सदस्यों ने अमित यादव पैनल को भारी बहुमतों से विजयी बनाया। चुने गये सदस्य निम्न लिखित हैं। ज्ञानेश्वर भुजाडे, साधव लाल जायसवाल, झवेरबेन गडा, लालता प्रसाद गुप्ता, राधामणी दिवाकरन, अमित यादव, सुहासिनी सालुंके, बिपीन पांडेय, कौशल्या दाभाडे, भारती कर्वे, प्रदीप भगत, मोहन जाधव। चुने गए नये सदस्यों का वरिष्ठ समाज सेवक डॉ. बाबुलाल सिंह एवम राजु कर्वे ने पुष्प गुच्छ प्रदान कर सम्मान किया एवम शुभकामनायें दी।

विश्वनाथ भोईर ने कल्याण विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन भरा

रैली में सभी घटक दलों ने एकजुटता दिखाई

चेतन निर्मल संवाददाता

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में शिवसेना, भाजपा, राकांपा और रिपाई महायुति के प्रत्याशी विश्वनाथ भोईर ने आज सैकड़ों समर्थकों की उपस्थिति में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस अवसर पर कल्याण पश्चिम के खडकपाड़ा से मुंबई विद्यापीठ चौक तक एक भव्य जुलूस निकाला गया।

राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा घोषित उम्मीदवारों की सूची में कल्याण पश्चिम से मौजूदा विधायक विश्वनाथ भोईर को एक और मौका दिया गया है। विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया का आज आखिरी दिन है और विश्वनाथ भोईर ने जोरदार शक्ति प्रदर्शन के साथ अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। इस दौरान जोरदार शक्ति प्रदर्शन किया। ब्रास बैंड की संगत और कार्यकताओं की नारेबाजी से परिसर गूंज उठा।

इस बीच मीडिया से बातचीत के दौरान विश्वनाथ भोईर ने कहा कि महायुति में कोई बगावत नहीं होगी, हम साथ मिलकर लड़ेंगे। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी के अंदर कुछ विवाद भी हो सकता है इसलिए ऐसे फैसले लिए गए होंगे. लेकिन इन सभी विवादों का निपटारा आवेदन वापस लेने की तारीख तक हो जाएगा। विश्वनाथ भोईर ने दृढ़ विश्वास व्यक्त किया कि हम यह चुनाव एक अटूट महायुति के रूप में लड़ेंगे और जीतेंगे।

इस रैली में विजया पोटे, शहर प्रमुख रवि पाटिल, पूर्व नगरसेवक मयूर पाटील, संजय पाटिल, गणेश जाधव, जयवंत भोईर, प्रभुनाथ भोईर, पूर्व नगरसेविका वैशाली विश्वनाथ भोईर, विद्याधर भोईर, मोहन उगले, छाया वाघमारे, श्रेयस समेल, नेत्रा उगले, पूर्व परिवहन समिति सदस्य सुनील खारुक, विभाग प्रमुख रामदास कारभारी, युवा सेना के सुचेत दामरे, प्रतीक पेनकर सहित कल्याण, मोहने, टिटवाला क्षेत्र के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता और समर्थक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

बेटी से बड़ा कोई धन नहीं : डॉ. रवींद्र मिश्रा

मुंबई(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं महिला बाल विकास आयोग के मुख्य महासचिव डॉ. रवींद्र मिश्रा ने धनतेरस के अवसर पर एक विशेष संदेश जारी किया, जिसमें उन्होंने बेटियों के महत्व पर जोर दिया और कहा, ₹बेटी से बड़ा कोई धन नहीं है।₹ धनतेरस के पर्व को संपत्ति और समृद्धि का प्रतीक मानते हुए, डॉ. मिश्रा ने यह संदेश दिया कि बेटियां ही हमारे परिवार, समाज और देश की असली संपत्ति हैं।अपने संदेश में डॉ. मिश्रा ने बेटियों की शिक्षा, स्वास्थ्य, और सुरक्षा में निवेश के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बेटियां केवल एक परिवार की धरोहर नहीं, बल्कि समाज की नींव हैं, और उन्हें हर क्षेत्र में समान अवसर देना न केवल परिवार की बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। डॉ. मिश्रा ने यह भी बताया कि आयोग ने इस दिशा में कई योजनाओं और अभियानों की शुरूआत की है, जिनका उद्देश्य बेटियों को सशक्त बनाना और उनके अधिकारों की रक्षा करना है। उन्होंने समाज के प्रत्येक व्यक्ति से अपील की कि वे बेटियों को समान अवसर और सम्मान प्रदान करें। इस धनतेरस पर आयोग द्वारा एक विशेष अभियान चलाया जाएगा जिसमें बेटियों की शिक्षा और स्वास्थ्य के महत्व पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। डॉ. मिश्रा ने सभी नागरिकों से इस अभियान में शामिल होने और बेटियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की अपील की। इस अभियान के बारे में अधिक जानकारी हेतु राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं महिला बाल विकास आयोग के मुख्य महासचिव डॉ. रवींद्र मिश्रा के दूरभाष क्रमांक 8080002329 पर संपर्क कर सकते हैं।

मीरा भायंदर के चुनावी जंग में उतरे पूर्व नगरसेवक सुरेश खंडेलवाल

भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर विधानसभा चुनाव लगातार रोचक और दिलचस्प होता जा रहा है. अब भाजपा के पूर्व नगरसेवक सुरेश खंडेलवाल भी चुनावी समर मे कूद पड़े है. उन्होने मंगलवार को जैन समाज, राजस्थानी और मारवाड़ी समाज के प्रमुख संस्थाओं के पदाधिकारियों के साथ निर्दलीय उम्मीदवार के रूप मे अपना नामांकन दाखिल किया. गौरतलब है की मीरा भायंदर की सीट भाजपा का गढ़ मानी जाती है क्यूंकि यही बड़ी संख्या मे गुजराती और राजस्थानी समाज के लोग रहते है जो भाजपा के कट्टर समर्थक माने जाते है. और इस बार यहाँ बड़ी खींचतान के बाद पार्टी ने एक बार फिर नरेंद्र मेहता को अपना प्रत्याशी बनाया है जो पिछली बार निर्दलीय उम्मीदवार गीता जैन से चुनाव हार गए थे. गीता जैन इस बार भी निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर मैदान मे है ऐसे मे सुरेश खंडेलवाल के नामांकन भरने से मुकाबला कड़ा हो गया है. नगरसेवक रहे सुरेश खंडेलवाल कई जैन, राजस्थान, समाज के संस्थाओं से जुड़े हुए है.

उनके धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यकर्मो और आयोजनों मे उनकी अग्रणी भूमिका रहती है इसलिए व्यक्तिगत तौर पर उनका लोगो से जुड़ाव काफी प्रबल है. अपने नामांकन के बाद सुरेश खंडेलवाल ने बताया की जनता और समाज के प्रबुद्ध लोगो से चर्चा और मांग के बाद उन्होंने पर्चा दाखिल किया है.

क्यूंकि अब लोग साफ, सुथरी और ईमानदार छबि वाले नये चेहरे को मौका देने का मन बना चुके है. उन्होंने विश्वास जताया की जिस तरह से समाज के लोगो ने उन पर भरोसा जताया है वो भ्रष्टाचार मुक्त कार्याप्रणली से लोगो की सेवा करेंगे और इसलिए उन्हें सभी का जनसमर्थन मिलेगा.

मंत्री रविंद्र चव्हाण ने शक्ति प्रदर्शन करते हुए अपना नामांकन पत्र भरा

डोंबीवली (उत्तरशक्ति)। डोंबिवली विधानसभा से महायुति के अधिकृत प्रत्याशी एवं राज्य के लोक निर्माण मंत्री रविंद्र चव्हाण ने आज जोरदार शक्ति प्रदर्शन करते हुए अपना नामांकन पत्र भरा। बतादें कि भारतीय जनता पार्टी ने लगातार चौथी बार रविंद्र चव्हाण को डोंबिवली से प्रत्याशी बनाया है। चव्हाण ने बीते तीन चुनावों में एकतरफा जीत प्राप्त की है। नामांकन से पूर्व रविंद्र चव्हाण ने डोंबिवली में जबरदस्त शक्ति प्रदर्शन किया। शहर के पश्चिमी क्षेत्र में सम्राट चौक से एक विशाल रैली निकाली गई, जिसमें बीजेपी, शिवसेना (शिंदे) और राष्ट्रवादी (अजित) गुट के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए चव्हाण ने उनके विरोधियों पर निशाना साधते हुए कहा कि टिप्पणी करने वाले लोग मुझपर आरोप लगाते रहेंगे। आरोप करना ही उनका काम है, लेकिन जनता भारी मतदान करके मुझे समर्थन देगी। रैली में उल्हासनगर के भाजपा प्रत्याशी कुमार आयलानी, पूर्व मंत्री जगन्नाथ पाटील, भाजपा के जिलाध्यक्ष नरेंद्र सूर्यवंशी, कल्याण लोकसभा चुनाव प्रमुख शशिकांत कांबले, केडीएमसी की पूर्व महापौर विनीता राणे, कल्याण ग्रामीण के शिवसेना प्रत्याशी राजेश मोरे आदि पदाधिकारी मौजूद थे।

दो बार के भाजपा सांसद गोपाल शेट्टी बगावत पर उतरे, बोरिवली से निर्दलीय के रूप में लडेंगे चुनाव

मुंबई। मुंबई उत्तरी क्षेत्र के दो बार के सांसद गोपाल शेट्टी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा जारी की गयी उम्मीदवारों की चौथी सूची में अपना नाम नहीं होने के बाद सोमवार को कहा कि वह बोरिवली विधानसभा सीट से अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। शेट्टी ने 2014 और 2019 में मुंबई उत्तरी लोकसभा सीट से चार लाख से ज्यादा के अंतर से जीत चुनाव जीता था लेकिन उन्हें 2024 के आम चुनाव में पार्टी ने टिकट नहीं दिया। इस बार लोकसभा चुनाव में वरिष्ठ भाजपा नेता पीयूष गोयल इस सीट से विजयी रहे जो अब केंद्रीय मंत्री हैं।

मुंबई उत्तरी क्षेत्र के वरिष्ठ नेता शेट्टी 2004 और 2009 में बोरिवली से विधायक रहे थे। वह कई साल तक इस क्षेत्र से पार्षद भी रहे। अपनी चौथी सूची में भाजपा ने संजय उपाध्याय को बोरिवली सेउम्मीदवार घोषित किया है। असंतुष्ट नजर आ रहे शेट्टी ने कहा कि वह मंगलवार को निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। शेट्टी ने कहा, मैं बहुत लंबे समय से पार्टी का एक निष्ठावान कार्यकर्ता रहा हूं। आज मैं चार भाजपा उम्मीदवारों को नामांकन पत्र दाखिल करने में मदद करने गया था। लेकिन जब सूची घोषित हुई तो मुझे यह देखकर निराशा हुई कि मुझे टिकट नहीं दिया गया। मुद्दा यह नहीं है कि मुझे टिकट नहीं दिया गया, मुद्दा यह है कि उम्मीदवार बोरिवली का स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता होना चाहिए था। उन्होंने कहा, मेरे समर्थक 35 साल से मेरे साथ खड़े हैं। उन्होंने मुझसे कहा कि उनकी बात सुनिए (और चुनाव लड़िए)। पहले 2014 में विनोद तावड़े ने यहां से चुनाव लड़ा, फिर 2019 में सुनील राणे ने। इस बार मुंबई उत्तर से लोकसभा का टिकट पीयूष गोयल को दिया गया। उपाध्याय के नामांकन के साथ ऐसा चौथी बार हो रहा है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* संरक्षकः सुरेश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
* प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक) नियर जॉनसन हाऊस, शाप नंबर - 21, उन्नति सी.एच.एस. सेनापति बापट मार्ग, माहिम (वेस्ट) मुंबई-400016
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

स्वामी- शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविन्द्रनाथ प्रजापति द्वारा एस.आर. पब्लिकेशन मोहन अर्जुन कम्पाउंड गोडाउन नं.-08,09,10 नियर घर्टनपाड़ा वैशाली नगर लास्ट बस स्टाफ दहिसर (ई.) मुंबई 400068 से मुद्रित एवं 103, प्रथम फ्लोर बी विंग एयरपोर्ट ब्यू सी.एच.एस. लि. वीर मकरन्द घानेकर मार्ग आजाद रोड फायर विग्रेड विले पारले (ई.) जिला मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 *संपादक- ओमप्रकाश रविन्द्रनाथ प्रजापति, इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः नियर जॉनसन हाऊस, शाप नंबर - 21, उन्नति सी.एच.एस. सेनापति बापट मार्ग, माहिम (वेस्ट) मुंबई-400016 * मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com,

भारी मात्रा में पटाखों का अवैध भंडार बरामद

धर्मेन्द्र कुमार शर्मा

बादलापुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। धनतेरस तथा दीपावली के पर्व को लेकर लोगों की सुरक्षा व्यवस्था तथा शांति व्यवस्था को बनाए रखने के लिए तेजतर्रार कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा के द्वारा मंगलवार को भारी पुलिस बल के साथ पैदल गस्त कर रहे थे।

इस दौरान पुलिस ने भलुआही कस्बे में घनी आबादी के बीच स्थित हनुमान मंदिर के बगल एक पटाखे की दुकान पर छापा मारा। पटाखों का अवैध भंडार देखकर प्रभारी निरीक्षक ने द्वारा तत्काल सूचना आईपीएस क्षेत्राधिकारी आयुष श्रीवास्तव को दी वहीं सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी के द्वारा बताया गया

कि दुकानदार भरत लाल निगम के पास ना तो पटाखे के भंडार का लाइसेंस है और न हीं पटाखों के बिक्री का कोई लाइसेंस है जो पूरी तरह अवैध है जिनके पास से करीब 2 लाख रुपए कीमत के अवैध पटाखा बरामद किया गया तथा पुलिस अग्रिम विधिक कार्रवाई में जुटी हुई है। क्षेत्राधिकारी द्वारा पटाखा विक्रेताओं को यह भी हिदायत दी कि वह अपनी दुकान को पूर्व माध्यमिक विद्यालय श्रीकृष्णा नगर मिडिल स्कूल में लगाकर अपने पटाखों की बिक्री कर सकते हैं। पुलिस के छापेमारी की खबर सुनते ही पटाखा विक्रेताओं में हड़कंप मच गया।

निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम का जिलाधिकारी ने किया शुभारंभ

जौनपुर, (उत्तरशक्ति)। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ स्थान डॉ0 ए0एच0 रिजवी शिया डिग्री कालेज में जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। शिया डिग्री कालेज के प्राचार्य डॉ0 सै0 सादिक रिजवी व शिया इन्टर कालेज के प्रधानाचार्य डॉ0 अलमदार नजर ने बुके प्रदान कर अतिथियों का स्वागत किया। शिया डिग्री कालेज की छात्राओं ने स्वागत गीत, मतदाता गीत व मतदाता जागरूकता के लिए नाटक प्रस्तुत कर लोगो को वोटर बनने के लिए प्रेरित किया। शिया इन्टर कालेज की छात्राओं द्वारा बनाई गई रंगोली का जिलाधिकारी ने अवलोकन किया। तथा सभी प्रतिभागियों को बुके प्रदान कर सम्मानित किया। जिलाधिकारी ने अर्ह छात्र, छात्राओं को मतदाता बनने के लिए फार्म 6 प्रदान किया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी

डॉ0 दिनेश चन्द्र ने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रमानुसार आज मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन पदाभिहित स्थलों (मतदेय स्थलों) निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय पर किया गया। प्रकाशित अवधि में मतदाता सूची निरीक्षण हेतु निःशुल्क उपलब्ध रहेगी।आलेख्य प्रकाशन अवधि में 29 अक्टूबर 2024 से 28 नवम्बर 2024 तक जनपद में कुल नियुक्त 3531 बूथ लेविल ऑफिसर द्वारा 18 वर्ष पूरी करने वाले युवा व छूटे हुए मतदाताओं के नाम सम्मिलित करने हेतु नियत प्रारूप 6 भराकर प्राप्त करने की कार्यवाही की जायेगी।मतदाता सूची में सम्मिलित मृतक, डबल, शिफ्टेड मतदाताओं के नाम विलोपित किये जाने हेतु नियत प्रारूप-7 प्राप्त करने की कार्यवाही की जायेगी। मतदाता सूची में किसी भी प्रविष्टि में संशोधन किये जाने, निवास परिवर्तन किये जाने, दिव्यांग के चिन्हीकरण एवं फोटो पहचान पत्र नष्ट या खोने पर दुबारा बनवाये जाने हेतु नियत प्रारूप-8 पर भराकर कार्यवाही की जायेगी।इस अवधि के मध्य विशेष अभियान तिथि, 9 व 10 नवम्बर तथा 23 व 24 नवम्बर को बीएलओ अपने मतदेय स्थल पर उपरोक्त कार्यवाही हेतु प्रातः 10.00 बजे से सायं 4.00 बजे तक उपस्थित रहकर कार्य करते हुए दावे व आपत्तियां प्राप्त करेंगे।

मतदाता सूची में नाम सम्मिलित, अपमार्जित एवं संशोधित करने हेतु आनलाइन वोटर पोर्टल व वोटर हेल्पलाइन ऐप के माध्यम से भी आवेदन किया जा सकता है।फार्मो के निस्तारण की अवधि 24 दिसम्बर 2024, निर्वाचक नामावली के अन्तिम प्रकाशन 06 जनवरी 2025 निर्धारित की गयी है। 01 जनवरी 2025 को 18 वर्ष पूरी करने वाले युवा मतदाता बनने हेतु पंजीकरण कर सकते हैं। संचालन जिला स्वीप कोआर्डियनेटर सै0 मो0 मुस्तफा ने किया।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयवर चौहान, नगर मजिस्ट्रेट इन्द्र नन्दन सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल, उप जिलाधिकारी सदर पवन सिंह, प्रभारी सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी बृजेश चतुवेर्दी, तहसीलदार सदर सौरभ कुमार कालेज से स्वीप समन्वयक डा अवधेश कुमार, आरिफ हुसैनी सहित शिया डिग्री कालेज व शिया इन्टर कालेज के शिक्षक व छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

अनिल गुप्ता बने जौनपुर के नए जिलाध्यक्ष, देवेंद्र साहू जिला महामंत्री

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा उत्तर प्रदेश की प्रांतीय बैठक रविवार को गांधी भवन लखनऊ के सभागार में संस्थापक/ संरक्षक राम नारायण साहू (पूर्व राज्यसभा

सांसद) एवं प्रदेश अध्यक्ष राकेश राठौर गुरु नगर विकास राज्य मंत्री, प्रदेश युवा अध्यक्ष राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य रमा शंकर साहू एवं प्रांतीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ, जिसमें अनिल गुप्ता को भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा जौनपुर के जिला अध्यक्ष एवं देवेंद्र साहू शेखर (शाहगंज) को जिला महामंत्री पद पर मनोनीत किया गया।इसके साथ ही संजीव साहू (अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी) युवा प्रकोष्ठ के कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष बनाये गए। जौनपुर के उक्त सभी पदाधिकारियों के चयन पर जौनपुर साहू समाज में खुशी की लहर व्याप्त है।तमाम साहू समाज के लोगों ने नव चयनित पदाधिकारी को बधाइयां दी हैं। लखनऊ से नगर वापस आने पर शाहगंज में जिलाध्यक्ष अनिल गुप्ता एवं जिला महामंत्री देवेंद्र साहू शेखर का भव्य स्वागत हुआ। शाहगंज में पूर्व अध्यक्ष पवन गुप्ता, महेंद्र साहू खुटहन, अखिल कुमार गुप्ता, लालचंद, विजय गुप्ता, श्री प्रकाश, संजय विश्वजीत, सत्यम साहू, मनीष गुप्ता, विष्णु गुप्ता, विवेक गुप्ता, वेद प्रकाश जायसवाल, धीरज पाटिल, चंदन गुप्ता, चंचल गुप्ता, चंदन, अनिल गुप्ता, हरिश्चंद्र आदि ने भव्य स्वागत किया।

नव चयनित पदाधिकारिओं के जौनपुर आगमन पर साहू कल्याण समिति के पदाधिकारिओं ने भी स्वागत किया। नव चयनित जिला अध्यक्ष अनिल गुप्ता ने कहा कि समाज के शैक्षिक, सामाजिक एवं सर्वांगीण विकास के लिए संस्था कृत संकल्प है और इस दिशा में सार्थक प्रयास करेगी। इस अवसर पर श्री जयप्रकाश गुप्ता, संतोष कुमार गुप्ता कोषाध्यक्ष, अरविंद बैंकर,संतोष साहू बच्चा, शिव शंकर साहू,सभासद प्रतिनिधि यशवंत साहू, राजेश गुप्ता पत्रकार,ओम प्रकाश गुप्ता, ऋषि देव गुप्ता, योगेश साहू व्यापार मंडल, सिद्धार्थ साहू,विकास साहू विक्की, योगेश साहू सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटना में महिला समेत दो घायल

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत बड़ागांव पेट्रोल पंप के समीप बाइक की चपेट में आने से महिला समेत दो घायल हो गए। घायलों को इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार समीपस्थ जनपद आजमगढ़ के पवई थाना क्षेत्र के ट्रैनी माहुल गांव निवासी 50 वर्षीय सुमित्रा देवी पत्नी रामबचन रविवार की शाम अपने बेटे विपिन के साथ मोहदीसराय रिश्तेदारी से बाइक पर सवार होकर घर माहुल जा रही थी। जैसे बड़ागांव स्थित पेट्रोल पंप के समीप महिला बाइक से उतरी, उसी दौरान शाहगंज की तरफ से जा रही तेज रफ्तार बाइक की टक्कर लगने से महिला व बाइक सवार काजीपुर गांव निवासी संदीप पुत्र पारस घायल हो गये। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों ने इलाज के दौरान सुमित्रा की हालत गंभीर देख बेहतर इलाज हेतु जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया।

मारपीट में युवक घायल, हालत गम्भीर

विशाल सोनी शाहगंज संवाददाता

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत कुडियारी गांव में जमीनी विवाद के चलते पट्टीदारों ने पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। मौके पर मौजूद परिजनों ने इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीबीगंज चौकी क्षेत्र के कुडियारी गांव निवासी 33 वर्षीय संतोष यादव पुत्र लाल बहादुर यादव को सोमवार को जमीनी विवाद के चलते लाठी–डंडे से पीटकर कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। परिजनों ने पुलिस को सूचना देकर इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उक्त घायल को इलाज के हालत गंभीर देख बेहतर इलाज हेतु जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया।

महिला से छेड़खानी करने का विरोध करने पर महिला के ऊपर तमंचे से फायर

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। नगर कोतवाली क्षेत्र के मछली शहर पड़ाव पर महिला से छेड़खानी करने का विरोध करने पर उसके ऊपर तमंचे से फायर करने का मामला प्रकाश में आया है। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि नगर के ही मोहल्ला रास मंडल निवासी एक व्यक्ति की पत्नी अपनी सहेली से मिलने के लिए 23 अक्टूबर शाम लगभग 7 बजे स्कूटी से जा रही थी। उसी समय एक बिना नंबर की बाइक पर सवार युवक ने उसे रोक लिया। महिला को रोक कर युवक सरेआम बदतमीजी करने लगा जैसे की महिला ने इसका विरोध किया तब युवक ने तमंचा निकाल कर उसे पर फायर कर दिया। लेकिन महिला फायर से बाल बाल बच गई। महिला का यह भी आरोप है कि अक्सर यह व्यक्ति उसके मोबाइल पर फोन कर अश्लील बातें करना तथा अश्लील वीडियो भेजा करता था। महिला की तहरीर के आधार पर पुलिस ने संगीन धाराओं में अजमल सिंह उर्फ मयंक पुत्र मोहम्मद असलम निवासी ढालगर टोला थाना कोतवाली समेत दो अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की छानबीन करने में जुट गई है।

चोरी की घटनाओं का नहीं हुआ पर्दाफाश, चोरों के हौसले बुलंद

हिरासत में लिये जाने पर एक राजनेता का फोन आते ही इन्हें छोड़ने को मजबूर है पुलिस

चोरों के आगे बौनी साबित हो रही पुलिस

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र में इन दिनों जहां अनेक चोरी की घटना की बाढ़ सी आ गई है वहीं इन घटनाओं के पर्दाफाश न होने से चोरों के हौसले बुलंद हैं और हो भी क्यों न क्योंकि इनको हिरासत में लेते ही एक राजनेता का फोन आ जाता है और सभी आजाद हो जाते हैं। ऐसे में पुलिस किकर्तव्यविमूढ़ हो जाती है। गौरतलब है कि पोरई कलाँ गाँव में 12 से 14 अक्टूबर के बीच तीन बंद पड़े घर से चोरों ने लाखों का जेवर और नकदी समेत अन्य सामान उड़ा दिया जिसमें आनंद कुमार सिंह के घर से लगभग पचास हजार के गृहस्थी के सामान और सुबास विस्वकर्मा के घर से लगभग पौने चार लाख का जेवर और नकदी चोरी हुआ था वहीं पड़ोस में राम प्यारे चौरसिया के घर से हजारों रुपये का घरेलू सामान पर चोरों ने हाथ साफ किया था। इसके अतिरिक्त सोंगर ग्राम में सलमान के यहाँ मानी कलाँ ग्राम में राजेंद्र मोदनवाल की मिठाई की दुकान में, बच्चन मणि तिवारी के मकान में चोरी करते आरोपित पकड़े गये और पुलिस के हवाले कर दिये गये जिन्हें बाद में छोड़ दिया गया। इन घटनाओं के आलावा जैगहाँ बाजार निवासी हरिराम यादव के घर भी पिछले वर्ष इसी माह में एक बड़ी चोरी हुई थी जिसमें उनकी लाइयेसेंसी बंदूक आदि उठा ले गए थे इन घटनाओं में पर्दाफाश तो दूर अनेक चोरी का मुकदमा भी पंजीकृत नहीं हुआ है। फि लहाल इन घटनाओं का पर्दाफाश न होने से चोरों के हौसले बुलंद हैं और वहीं चोरी की घटना से लोग भयभीत हैं।

हवन के साथ हुआ श्रीमद्भागवत कथा का समापन

निशानाथ संवाददाता खेतासराय

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के बड़नपुर गांव में चल रहे श्रीमद्भागवत कथा के अंतिम दिन सोमवार की रात श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। हवन यज्ञ के साथ समापन हुआ। कथा वाचक पं.अखिलेश चन्द्र मिश्र ने भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता का मार्मिक प्रसंग सुनाया। कथा के समापन पर अगले दिन हवन यज्ञ के बाद प्रसाद वितरण किया गया। कथा व्यास श्री मिश्र ने भक्तों को सुदामा का पावन चरित्र सुनाकर एक आदर्श मित्र के कर्त्तव्यों का बोध कराया। महाप्रयाण के समय कृष्ण का भागवत में प्रवेश के द्वारा मनुष्य मात्र को यह बताया कि आज इस कलिकाल में भी कलिकाल के कलुषित प्राणियों का

कल्याण करने के लिए हमारे गोविन्द इसी भागवत संहिता में विराजमान हैं। इसलिए मनुष्य मात्र को अपने कल्याणार्थ भागवत अवश्य श्रवण करना चाहिए। श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन हर वर्ष की भांति मानव उत्थान सेवा समिति की ओर से कराया गया। मंगलवार को संयोजक सुरेन्द्र प्रताप सिंह लल्लू, समिति के अध्यक्ष सत्येन्द्र सिंह एडवोकेट, संजय सिंह, शिवपूजन समेत ग्रामीण यज्ञ में शामिल होकर हवन पूजन कराया।

जीवित महिला को मृत घोषित कर हड़प ली संपत्ति

इम्तियाज अहमद ज़िला संवाददाता

जौनपुर, (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर की फरियाद जौनपुर मंगलवार को जिलाधिकारी जौनपुर को ज्ञापन देकर एक महिला ने उसको मृत घोषित करके जेठ व देवर द्वारा संपत्ति हड़प लेने का आरोप लगाया है। जिलाधिकारी ने जांचोंपरांत उपयुक्त कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

प्राप्त समाचार के अनुसार शाहगंज थाना क्षेत्र के सबरहद ग्राम निवासी बिट्टन देवी पत्नी स्वर्गीय मुन्नीलाल प्रजापति ने बताया कि 1980 में उनके पति की मृत्यु हो गई थी। 1990 में उनकी संपत्ति पर बिट्टन देवी का नाम चढ़ा, किंतु 1992 में उनके जेठ हरीलाल व देवर मनोहर लाल तथा लौटू राम राजस्व कर्मियों के साथ मिलकर साजिश करके जीवित महिला को मृत घोषित करके अपने नाम वरासत दर्ज करके जमीन हड़प ली। जुलाई 2024 में उसे जमीन जोतने से मना करके घर से भी भगा दिया गया। तब वह जिलाधिकारी के समक्ष अपनी फरियाद लेकर आई।

वाराणसी में युवती से छेड़खानी फिर जलाकर हत्या के मामले में तीन को उम्रकैद

डॉ.एस.के.मिश्र जिला संवाददाता

वाराणसी, (उत्तरशक्ति)। जनपद के फास्ट ट्रैक कोर्ट प्रथम न्यायाधीश कुलदीप सिंह की अदालत ने 20 वर्षीय युवती से छेड़खानी और जलाकर हत्या के मामले में सिगरा थाने के अंतर्गत तीन अभियुक्तों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इन आरोपियों में माताकुंड, लल्लापुरा के निवासी गब्बू उर्फ रियाजुद्दीन, उसका भाई बाबूदान और पप्पू उर्फ हसमत शामिल हैं। अदालत ने तीनों पर 32-32 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। जिसमें से 25-25 प्रतिशत राशि पीड़िता के माता-पिता को प्रदान करने का आदेश दिया गया है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, 18 दिसंबर 2014 को पीड़िता अपने घर के पास पानी भर रही थी।तभी आरोपी गब्बू,

बाबूदान और पप्पू ने उसके साथ छेड़खानी की। जब पीड़िता ने इसका विरोध किया, तो उन्होंने उस पर केरोसिन डालकर आग लगा दी, जिससे गंभीर रूप से झुलसने के कारण युवती की अस्पताल में मौत हो गई। युवती ने मृत्यु से पूर्व पुलिस को बयान दिया था।जो अदालत में घटना की पुष्टि के रूप में प्रस्तुत किया गया। मुकदमे के दौरान अभियोजन पक्ष के वकील मनोज गुप्त और बिंदू सिंह ने अदालत में कुल आठ गवाहों को पेश किया।

उन्होंने अदालत से अपील की कि आरोपियों ने बेहद संगीन अपराध किया है और उन्हें कठोर दंड मिलना चाहिए। वहीं, बचाव पक्ष ने दलील दी कि आरोपी वृद्ध हैं और उनके परिवार में कोई अन्य कमाने वाला नहीं है। इसलिए उन्हें सजा में रियायत दी जाए। तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने तीनों को दोषी पाते हुए आजीवन कारावास और जुमार्ने से दंडित किया।

सिकरारा पुलिस ने हत्या का प्रयास के 2 वांछित अभियुक्तों किया गिरफ्तार

सिकरारा,जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। थाना सिकरारा पुलिस द्वारा हत्या का प्रयास करने वाले 02 वांछित अभियुक्तो को किया गया गिरफ्तार। डा0 अजय पाल शर्मा, पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर द्वारा जनपद में चलाये जा रहे अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध सघन अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल पर्यवेक्षण में

थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार गुप्ता मय हमराही कर्मचारी के द्वारा आज दिनांक-29.10.2024 को मु0अ0सं0- 264/2024 धारा 109(1) बीएनएस थाना सिकरारा जनपद जौनपुर से सम्बन्धित हत्या का प्रयास करने वाले 02 वांछित अभियुक्तागणो को मुखबिर खास की सूचना पर भुआकला खपरहां से गिरफ्तार कर अग्रेतर विधिक कार्यवाही की जा रही है। अभियुक्त गणो के अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तो का नाम व पता- 1.रोशन सरोज पुत्र रामआसरे सरोज निवासी भुआंकला खपरहाँ थाना सिकरारा जनपद जौनपुर। 2.विकाश सरोज उर्फ विक्कू सरोज पुत्र रामआसरे सरोज निवासी भुआकला खपरहाँ थाना सिकरारा जनपद जौनपुर।अपराधिक इतिहास झ 1.264/2024 धारा 109(1) बीएनएस थाना सिकरारा जनपद जौनपुर।

एक बार फिर सजेगा मानवता का समागम

77वें वार्षिक निरंकारी संत समागम की तैयारियों का सौंदर्य

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। 29 अक्टूबर 2024, सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज की असीम कृपा से संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल, समालखा में हर वर्ष की तरह, इस वर्ष भी निरंकारी परिवार का 77वां वार्षिक संत समागम 16, 17 एवं 18 नवंबर 2024 को आयोजित होने जा रहा है।

यह जानकारी स्थानीय मीडिया सहायक उदय नारायण जायसवाल ने देते हुए बताया कि आध्यात्मिकता का आधार लिए इस समागम पर प्रेम, शांति और एकत्व का सन्देश दिया जाता है।जो निसंदेह समस्त मानवता के कल्याण के लिए होता है। सर्वविदित है कि इस संत समागम की भव्यता केवल इसके क्षेत्रफल से रेखांकित नहीं होती, बल्कि यहाँ देश-विदेश से पधारने वाले लाखों श्रद्धालु भक्तों के भावों से इंगित होती है। निरंकारी संत समागम मानवता का एक ऐसा दिव्य संगम होता है जहां धर्म, जाति, भाषा, प्रांत और अमीरी-गरीबी आदि के बंधनों से ऊपर उठकर सभी मर्यादित रूप से प्रेम और सौहार्द के साथ सेवा, सुमिरण और सत्संग करते हैं। यह उसी सन्देश का अनुसरण है जो सभी संतों, पीरों और गुरुओं ने समय-समय पर दिया है।

इस तीन दिवसीय संत समागम में भक्ति के अनेक पहलुओं पर गीत, विचार और कविताओं आदि के माध्यम से भक्त अपने शुभ भाव प्रकट करेंगे। सतगुरु माता जी और निरंकारी राजपिता जी के प्रवचनों का अनमोल उपहार भी सभी को प्राप्त होगा। इस वर्ष सतगुरु माता जी ने समागम का विषय दिया है- ह्यविस्तार, असीम की ओरह्य। निरंकारी संत समागम के विशाल रूप को प्रभावशाली और सुचारु रूप से आयोजित करने के लिए निरंकारी मिशन के भक्त एवं सेवादार देश के कोने-कोने से महीनों पहले ही आकर अपनी निष्काम सेवाएं समर्पित करते हुए तैयारियों में जुट जाते हैं।

समागम सेवाओं का यह दृश्य अपने आप में अत्यंत प्रेरणादायक और मनोरम होता है। इस वर्ष भी देखा गया कि प्रातः काल से ही सेवाएं प्रारम्भ हो जाती हैं जहाँ हर आयु-वर्ग के नर-नारी अनेक प्रकार की सेवाओं को सरंजाम दे रहे हैं। सेवादारों के हाथों में मिटटी के तसले होते हैं और जुबान पर भक्ति भाव से भरे मधुर गीत। कहीं जमीन को समतल किया जा रहा है तो कहीं टेंट लगाए जा रहे हैं।

सेवादल की वर्दी में भी नौजवान भाई- बहन अपने अधिकारियों के निदेर्शानुसार ग्राउंड पर अनेक प्रकार की सेवाओं में रत्त हैं। लंगर, कैंटीन, प्रकाशन और ऐसी अनेक सुविधाएँ सुचारु रूप से चल रही है। जिनका रूप आने वाले दिनों में और विशाल होता चला जायेगा। देखने में जो सामाजिक गतिविधि लग रही है। उसका आधार पूर्णतः आध्यात्मिक है।

सभी एक-दूसरे में परमात्मा का रूप देखकर एक-दूसरे के चरणों में 'धन निरंकार जी' कहते हुए झुक रहे हैं। 'विद्या ददाति विनयम' का ये जीवंत उदाहरण प्रतीत होता है। सबके चेहरों पर एक रूहानी आभा है। जो उनके मन के विश्वास और संतोष को प्रकट कर रही है। सेवा कर रहे इन भक्तों के हर्ष और आनंद की पराकाष्ठा तब देखने को मिलती है। जब सेवा करते हुए उन्हें अपने सतगुरु के दर्शन हो जाते हैं। उस पल गुरसिखों के हृदय झूमने लगते हैं। गाने लगते हैं, नाचने लगते हैं। इसी स्वर्गीय नजारे का सभी श्रद्धालु पूरा साल इंतजार करते हैं। संत निरंकारी मंडल के सचिव एवं समागम के समन्वयक श्री जोगिन्दर सुखीजा ने बतलाया की सभी संतों के रहने। भोजन, शौच, स्वास्थ्य, सुरक्षा, आगमन-प्रस्थान व अन्य सभी मूल-भूत सेवाओं की तैयारी की जा रही है। राज्य के प्रशासन से भी हर प्रकार का सहयोग प्राप्त हो रहा है और समागम के आयोजन से जुड़े हर वैधानिक पहलू को ध्यान में रखते हुए ही सारी व्यवस्था की जा रही है।

कुछ ही दिनों में ये आध्यात्मिक स्थल एक 'भक्ति के नगर' का रूप ले लेगा जहाँ विश्व से लाखों संत महात्मा सम्मिलित होंगे। मानवता के इस महासंगम में हर धर्म-प्रेमी भाई-बहन का हार्दिक स्वागत है। उदय नारायण जायसवाल मीडिया सहायक जौनपुर मो०नं०- 9565 5656 31

कार्यालय
उत्तरशक्ति (हिन्दी दैनिक)
निकट- हुमा मस्जिद वार्ड नम्बर-35, मुफ्ती मोहल्ला
जनपद- जौनपुर (उ0प्र0)- 222001
कार्यालय 9695970605
मुख्यालय 9554493941
E-mail: uttarshaktijaunpur7066@gmail.com
विज्ञापन, सूचना सम्बन्धित खबरों के लिए सम्पर्क करें।
Website-www.uttarshakti.co.in
YouTube UTTAR SHAKTI TV NEWS
हर खबर निष्पक्षता के साथ

युद्ध से कारपेट इंडस्ट्री का 75 फीसदी कारोबार प्रभावित, निर्यातक भयाक्रांत

0-पहले रूस-यूक्रेन, फिर सूडान युद्ध और अब इरान-इजराइल युद्ध का कारपेट इंडस्ट्री पर असर, 300 करोड़ की कालीनें पोर्टो पर डंप

0-युद्ध से कारपेट इंडस्ट्री का 75 फीसदी

0-कारोबार प्रभावित, निर्यातक भयाक्रांत

0-जर्मनी सहित अन्य देशों के नागरिकों को ईरान द्वारा फांसी पर लटकाने सहित आम नागरिकों पर हमला करने से निर्यातकों में कारोबार ठप होने का खौफ

वजह: ताबड़तोड़ हो रहे युद्धों से अंतरराष्ट्रीय बाजार में अफरातफरी का माहौल

-सुरेश गांधी

वाराणसी। पहले रूस-यूक्रेन, फिर सूडान युद्ध और अब इरान-इजराइल युद्ध का कारपेट इंडस्ट्री पर बड़ा असर देखने को मिल रहा है। युद्ध से कालीन निर्यात का का 75 फीसदी कारोबार प्रभावित हुआ है. खासकर मालवाहक जहाजों पर हमले से परिवहन करना मुश्किल तो है ही, 300 करोड़ से अधिक की कालीनें पोर्टो पर जाम है. हद तो तब हो गयी जब जर्मनी सहित अन्य देशों के नागरिकों को ईरान द्वारा फांसी पर लटकाने के साथ आम नागरिकों भी हमला शुरू कर दिया है। इससे कालीन निर्यातकों में कारोबार ठप होने का डर सताने लगा है।

बता दें, कालीन बेल्ट भदोही-मिजार्पुर, वाराणसी, आगरा, जयपुर, पानीपत, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर सहित देश से 17000 करोड़ का निर्यात होता है। जबकि कुल निर्यात

का 65 फीसदी भागीदारी भदोही-मिजार्पुर व वाराणसी की है. लगभग 300 कंटेनर कालीन हर साल दूसरे देशों में निर्यात होता है, लेकिन युद्ध ने इसका समीकरण बिगाड़ दिया है. और कालीन निर्यात का 75 फीसदी कारोबार प्रभावित हुआ है. युद्ध के चलते हालात सही नहीं होने के कारण ना ही नए आर्डर मिल रहे और ना ही बिकवाली या पूछताछ हो पा रहे है. मालवाहक जहाजों पर हमले से माल भेजने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. यही कारण है कि अब विदेशी हालातों के चलते 75-85 कंटेनर ही वर्तमान में निर्यात हो रहे है. लेकिन इरान-इजराइल युद्ध के शुरू होने व सूडान में रूस समर्थित विद्रोहियों के खिलाफ लड़ाई से अधिक नुकसान होने का डर निर्यातकों का सताने लगा है। जबकि विदेशों में क्रिसमस सहित अन्य पर्वो के चलते भारत से दशहरे के बाद से कालीन निर्यात में तेजी होना शुरू हो जाता है। लेकिन मौजूदा हालात के कारण ना ही सुचारु रुप से निर्यात हो पा रहा है और ना नए आर्डर मिल पा रहे है। हालांकि अन्य देशों में डिमांड है, लेकिन मालवाहक जहाजों का किराया कई गुना बढ़ने से निर्यात घाटे का सौदा साबित हो रहा है, क्योंकि विदेशी खरीदार जिस रेट पर आर्डर बुकिंग करायी है, उसी के हिसाब से भुगतान करते है।

सीईपीसी चेयरमैन के कुलदीप राज वट्टल के मुताबिक डोमोटेक्स कैंसिल होने से निर्यातकों में पहले से ही मायूसी है, भदोही इंडिया कारपेट एक्स्पों में हए कारोबार से थोड़ी कारोबार के प्रति उम्मींदे जगी थी, लेकिन इरान-इजराल युद्ध ने चिंता बढ़ा दी है। क्योंकि गल्फ कंट्री में भी भारत से काफी मात्रा में इक्सपोर्ट होता है। इससे भारत के कालीन निर्यातकों में निराशा छा गई है। यद्ध के चलते भारी मात्रा में कालीनें पोर्टो पर डंप है। उन्हें डर है मालवाहक जहाजों में हमले से नुकसान अधिक हो सकता है। हालांकि जर्मनी के फ्रैंकफर्ट में 14 से 17 जनवरी 2025 तक होने वाले हेमटेक्स्टिल फेयर से निर्यातकों को काफी उम्मींदे है। स्टॉल बुकिंग के लिए सर्कुलर जारी कर दिया गया है। अगर हालात सही रहे तो निर्यातक वहां अपने स्टॉल लगा सकते है। कालीन निर्यातक व सीईपीसी के प्रशासनिक सदस्य रवि पाटौदिया ने बताया कि पिछले दो साल से चल रहे वैश्विक घमासान ने कालीन उद्योग का बड़ा नुकसान किया है। रूस-यूक्रेन से लेकर इजरायल-फिलिस्तीन के बीच युद्ध से कालीन उद्योग को साल भर में करीब 5000 करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है। यद्ध के चलते साल भर का आर्डर मिलना तो दूर अब निरस्त होने का खतरा मंडराने लगा है। स्थिति ठीक नहीं हुई तो कालीन उद्योग को तगड़ा झटका लगना तय है। जो कालीन उद्योग के

उद्योग जगत के संगठनों ने राष्ट्रीय चिकित्सा उपकरण नीति के उल्लंघन का लगाया आरोप

मुंबई। पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) और एसोसिएशन ऑफ इंडियन मेडिकल डिवाइसेज (ए आई एम ई डी) ने मैनुफैक्चरर्स ऑफ इमेजिंग, थेरेपी एण्ड रेडियोलोजी डिवाइसेज (एमआईटीआरए), एसोसिएशन ऑफ डायग्नॉस्टिक मैनुफैक्चरर्स ऑफ इंडिया (ए डी एम आई) तथा मेडटेक उद्योग के हितधारकों के सहयोग से पीएचडी हाउस में एक प्रेस सम्मेलन का आयोजन किया। जहां पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी), स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक (डीजीएचएस) तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) द्वारा हाल ही में जारी कार्यालय ज्ञापन के संदर्भ में गंभीर विषयों पर चर्चा की गई। यह

ज्ञापन नवीकृत एवं पहले से इस्तेमाल किए जा चुके चिकित्सा उपकरणों के आयात की अनुमति देते हैं, बावजूद इसके कि इसी तरह की डिवाइसेज का निर्माण भारत में किया जाता है। उद्योग जगत के लीडरों का मानना है कि यह भारत को चिकित्सा उपकरण निर्माण में आत्मनिर्भर बनाने में बड़ा खतरा है, साथ ही यह प्रधानमंत्री जी के ह्यमेक इन इंडिया एवं आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण की दिशा में किए जाने वाले प्रयासों में बाधा भी उत्पन्न करता है। यह देश की स्वदेशी निर्माण क्षमता में रूकावट उत्पन्न करता है। इसके अलावा मरीजों की सुरक्षा के संबंध में भी गंभीर मुद्दों की संभावना उठाई गई है, क्योंकि हो सकता हैकि नवीकृत किए गए चिकित्सा उपकरण, नव निर्मित उपकरणों की तरह गुणवत्ता के मानकों पर खरे न उतरें, जो मरीजोंकी सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का कारण हो सकता है। उद्योग जगत के दिग्गजों ने इस बात पर जोर दिया कि यह ज्ञापन स्वदेशी मेडटेक सेक्टर को कमजोर बनाता है, जो हाल ही के वर्षों में मेक इन इंडिया पहल के तहत निवेश के चलते तेजी से विकसित हुआ है। भारत द्वारा उच्च गुणवत्ता की मेडिकल डिवाइसेज बनाने की क्षमता के बावजूद नवीकृत डिवाइसेज के आयात की अनुमति देना, घरेलू सेक्टर की प्रगति में बड़ी बाधा बन सकती है। पहले से इस्तेमाल की जा चुकी और नवीकृत मेडिकल डिवाइसेज के आयात को बढ़ावा देकर यह पॉलिसी भारतीय उद्यमियों के लिए इनोवेशन और निवेश में बाधा उत्पन्न करती है।

डोंबिवली शहर और महायुति का वैचारिक डीएनए एक ही है

रवींद्र चव्हाण ने जताया शानदार जीत का भरोसा

डोंबिवली। डोंबिवली विधानसभा क्षेत्र में महायुति के आधिकारिक उम्मीदवार रवींद्र चव्हाण ने मंगलवार को चुनाव अधिकारियों के पास अपनी उम्मीदवारी दाखिल की। इस दौरान रवींद्र चव्हाण को लेकर डोंबिवलीकर की जनता से जबरदस्त प्रतिसाद देखने को मिला. मंगलवार की सुबह, रवींद्र चव्हाण ने डोंबिवली के ग्राम देवता श्री गणेश मंदिर सहित डोंबिवली में विभिन्न मंदिरों मे जाकर दर्शन किया. इसके बाद डोंबिवली पश्चिम में सम्राट होटल के पास बीजेपी कार्यालय से रवींद्र चव्हाण के समर्थन में एक भव्य नामांकन रैली निकाली गई. इस अवसर पर डोंबिवली के आगरी समाज, , जैन समाज, व्यापार निगम, लेवा समाज, दक्षिण और उत्तर भारतीय समाज के साथ-साथ शहर के युवा मोर्चा के सभी प्रतिनिधि और डोंबिवली के नागरिक चव्हाण को बधाई देने के लिए उमड़ पड़े। डोंबिवली शहर और बीजेपी महायुति का वैचारिक डीएनए एक ही है, इसलिए मुझे विश्वास है कि डोंबिवलीकर इस साल भी मेरे साथ मजबूती से खड़े रहेंगे। एक सच्चे डोंबिवलीकर के रूप में, मैं शहर की प्रगति और विकास के लिए अथक प्रयास कर रहा हूं।र पिछले 20-25 वर्षों में मैने हमेशा 'डोंबिवली फर्स्ट' के लक्ष्य के साथ काम करता रहूंगा। ऐसा मे वचन देता हू, ऐसा रवींद्र चव्हाण ने इस वक्त कहा. इस अवसर पर आवेदन पत्र भरने के लिए उपस्थित नेताओं में विधानसभा आयोजक और वरिष्ठ नगरसेवक राहुल दामले, जिला अध्यक्ष नाना सूर्यवंशी, पूर्व मंत्री मार्गदर्शक जगन्नाथ पाटिल, शशिकांत कांबले, मंदार हल्बे, विकास म्हात्रे, साई शेलार, जनार्दन म्हात्रे, विश्वनाथ राणे, नीलेश म्हात्रे, मुकुंद पेडणेकर, खुशबू चौधरी, मितेश पेनकर, मंदार टावरे, विश्वदीप पवार, शैलेश धात्रक, राजेश म्हात्रे, रविसिंह ठाकुर, दिनेश दुबे आदि शामिल हुए।

मां अन्नपूर्णा का खजाना पाकर भक्त हो रहे निहाल, पूरी हो रही मुराद

वाराणसी। धनतेरस के मौके पर मां अन्नपूर्णा का खजाना भक्तों के लिए खोल दिया गया है. स्वर्णमयी मां अन्नपूर्णा का दर्शन एवं सोने-चांदी के सिक्के प्रसाद के रुप में पाकर भक्त निहाल हो रहे है. देर रात से ही भक्त कतार में लगकर मां के दर्शन के लिए उत्सुक दिखाई दे रहे हैं. जो 2 नवंबर तक जारी रहेगा। खजाने में सोने-चांदी के सिक्के, रत्न और 16 कुंतल लावा बांटे जाते हैं. मान्यता है कि मां अन्नपूर्णा का प्रसादलेने से कभी धन-धान्य की कमी नहीं होती है. महंत शंकरपुरी ने बताया कि इस बार लगभग 8 लाख सिक्के बांटे जाएंगे। कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी पर स्वर्णमयी अन्नपूर्णा के गर्भगृह के कपाट खुल गए। आजादी से पहले के 16 तालों में बंद मां की स्वर्णिम प्रतिमा का पूजन, शृंगार और आरती के बाद भोर में पांच बजे आम श्रद्धालुओं के लिए दर्शन आरंभ हो गया। काशी के बारे में कहा जाता है सात वार नौ त्यौहार. साल के 365 दिन यहां कोई ना कोई त्यौहार का आयोजन होता है. काशी एक ऐसी नगरी है जहां पर दीपावली धनतेरस से भक्तों में आशीर्वाद के रूप में खजाने का वितरण होता है. इसके साथ ही माता से भिक्षा मांगते हुए बाबा विश्वनाथ की रजत प्रतिमा के भी दर्शन मिलते हैं। सनातन शास्त्रों में इस बात का वर्णन है कि सृष्टि में त्राहि त्राहि मचने पर भगवान शंकर ने मां अन्नपूर्णा से भिक्षा मांगी थी. माता अन्नपूर्णा को संपूर्ण विश्व के पालनहार भरण पोषण के लिए जाना जाता है. प्रत्येक वर्ष धनतेरस के दिन श्री अन्नपूर्णा मंदिर में स्वर्णमयी माता अन्नपूर्णा के स्वरूप का दर्शन होता है. इस दौरान लावा - सिक्का के रूप में भक्तों को खजाना रूपी आशीर्वाद भी प्राप्त होता है. आज प्रातः काल से ही मंदिर के कपाट खुल चुके हैं.

काशी में मां अन्नपूर्णा दरबार में लगी भक्तों की लंबी कतार,मानो माँ बरसा रही सोने- चांदी का खजाना

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। साल भर के इंतजार के बाद स्वर्णमयी मां अन्नपूर्णा मंगलवार को 16 भुन्नासी तालों से बाहर आईं। धनतेरस के अवसर पर श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद स्वरूप खजाना वितरण की शुरूआत की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की कतार लगी रही। भक्तों ने माता अन्नपूर्णा के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। इसके बाद उन्हें मां का प्रसाद दिया गया। आज से श्रद्धालु मां अन्नपूर्णा, भू देवी और महालक्ष्मी के स्वर्णमयी स्वरूप के दर्शन कर रहे हैं। जो दो नवंबर तक जारी रहेगा। इसके साथ ही माता से भिक्षा मांगते हुए बाबा विश्वनाथ की रजत प्रतिमा के भी दर्शन मिल रहे हैं। माता के दर्शन के लिए 24 घंटे पहले से ही बैरिकेडिंग

में श्रद्धालु कतारबद्ध हो गए थे। कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी पर स्वर्णमयी अन्नपूर्णा के गर्भगृह के कपाट खुल गए। आजादी से पहले के 16 तालों में बंद मां की स्वर्णिम प्रतिमा का पूजन, शृंगार और आरती के बाद भोर में पांच बजे आम श्रद्धालुओं के लिए दर्शन आरंभ हो गया। मंदिर के महंत शंकर पुरी महाराज ने बताया कि वर्ष में पांच दिन के लिए माता के स्वर्णमयी स्वरूप के दर्शन होते हैं। इसके बाद माता के विग्रह के कपाट बंद कर दिए जाते हैं। माता को जहां रखा गया है वहां पर सिर्फ महंत और पुजारी को ही जाने की अनुमति है। वहीं, मंदिर में सुरक्षा के लिए निजी सुरक्षा एजेंसी के 25 सुरक्षाकर्मी तैनात रहते हैं।

आईटीसी सनराइज मसाले ने छठ पूजा पर एक खास म्यूजिक वीडियो पेश किया

पटना। पूर्वी भारत में मसाला के सबसे प्रमुख ब्रांड आईटीसी लिमिटेड के सनराइज मसाले ने छठ पूजा के मौके पर एक खास म्यूजिक वीडियो पेश किया है। बिहार में छठ पूजा मनाने के लिए यह म्यूजिक वीडियो कंपनी के 'ऊर्जा का वरदान' कैम्पेन के तहत पेश किया गया है। वीडियो में बिहार के इस सबसे लोकप्रिय पर्व के गहरे सांस्कृतिक महत्व को दशार्या गया है। इसी के साथ ही वीडियो में बिहार की परंपराओं और छठ पूरा से जुड़े पारिवारिक बंधन को भी दशार्या गया है। इस म्यूजिक वीडियो को प्रसिद्ध भोजपुरी गायिका देवी की खूबसूरत आवाज में पेश किया गया है। इस म्यूज़िक वीडियो में लोकप्रिय अभिनेता राजेश कुमार और नेहा मर्दा दिल को छू लेने वाली भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं।

जौनपुर में धनतेरस के अवसर पर लोगो ने की जमकर खरीददारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। धनतेरस से दिवाली का पंच दिवसीय पर्व शुरू हो जाता है। वहीं यह पर्व हर साल कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को मनाए जाने का विधान है। इस दिन भगवान धन्वंतरि, मृत्यु के देवता यमराज और कुबेर जी की पूजा होती है। शीतला चौकियां धाम के मुख्य पुजारी विद्याधर त्रिपाठी मन्नू गुरु ने बताया कि इस साल धनतेरस का पर्व 29 अक्टूबर को मनाया गया। वहीं इस दिन त्रिपुष्कर योग भी बन रहा है इसलिए इस दिन का महत्व और भी बढ़ गया । शहर के मुख्य बाजारों में धनतेरस की आज जमकर के खरीदारी हुई लोगों ने बर्तन, आभूषणों की दुकानों पर सोने चांदी की खरीदारी भी जमकर की वहीं लोगों ने दो पहिया वाहन व चार पहिया वाहन भी खरीदने में कहीं से कोताही नहीं दिखाई, जौनपुर में नखास ओलंदगंज, हरलालका रोड सब्जीमंडी, कसेरी बाजार, अल्फस्टिनगंज सहित जिले के ग्रामीण अंचलों से लेकर शहर के विभिन्न बाजारों में भी दिन भर खरीदारों का ताता लग रहा। मुंगराबादशाहपुर, मछली शहर, मडियाहूं, शाहगंज, खेतासराय, जलालपुर,बदलापुर, केराकत, मानी कला, रामदयाल गंज आदि की बाजारो में खरीदारों से दिनभर गूंजय मान रही।

धनतेरस पर हर सेक्टर गुलजार, 3500 करोड़ का वर्षा धन

वाराणसी। धनतेरस पर मंगलवार को शुभ मुहूर्त में बाजारों में धन वर्षा हुई। अपनी-अपनी पसंद की वस्तुओं की लोगों ने जमकर खरीदारी की। सुबह से ही हो रही धनतेरस की खरीददारी में कोई सोने-चांदी के गहने खरीद रहा है तो कोई दीप और पूजा के लिए गणेश लक्ष्मी. दो और चार पहिया वाहनों के भी जमकर खरीददारी होती रही. धनतेरस पर बर्तन खरीदी को ज्यादा शुभ माना जाता है। इसलिए यह मान्यता बाजार से लेकर घर तक साकार हुई। जानकारों का मानना है कि हर सेक्टर में कारोबार होने की जैसी उम्मीद थी, वैसे ही बूम रही। शुभ मुहूर्त में करीब 3500 करोड़ का कारोबार होने का अनुमान है।

सुबह दुकान खुलने के साथ ही जो उत्साह खरीदारी करने वालों का बना फिर देर रात तक कायम रहा। बाजारों में काफी भीड़ थी। हर तरफ हर एक दुकानों में चार से पांच लोग सामान देने में जुटे रहे। एक ग्रुप बाहर निकलता की दूसरा अपनी बारी आने का इंतजार करता रहा। ऐसा माहौल हर सेक्टर के बाजारों में देखा गया। इसके पीछे की बड़ी वजह यह थी कि सरकारी कर्मचारियों से लेकर प्राइवेट सेक्टर के संस्थानों में दिवाली पर्व बोनस मिलने से खरीदारी का जोश दुगना हो गया। बाजार धनतेरस पर खरीददारों की भीड़ से खासे गुलजार रहे। इस मौके पर बाजारों में महंगाई और मंदी का कहीं कोई असर नहीं दिखा। लोग दिल खोलकर खरीददारी करने में जुटे रहे। खरीदारों की भारी भीड़ से बाजारों में खासी चहल-पहल रही। मैदागिन, गोदौलिया, मलदहियां, लहुराबीर, नई सड़क, लंका, अर्दलीबाजार, पांडेयपुर आदि बाजारों में तो तिल रखने तक की जगह रही। भीड़ और बाजार का रुख देखकर व्यापारियों के चेहरे खिल उठे हैं. कारोबारियों के मुताबिक जबरदस्त महंगाई के बावजूद इस धनतेरस पर लक्ष्मी उन पर खासी मेहरबान नजर आ रही हैं. इस बार गणेश लक्ष्मी की मूर्तियों वाले सिक्के व दूसरे सामान ज्यादा पसंद किये जा रहे हैं तो मेटल से तैयार ईको फ्रेंडली मूर्तियां भी खूब बिकी। लोगों का कहना है कि महंगाई ने उनके घर का बजट तो जरूर बिगाड़ रखा है लेकिन धनतेरस और दीपावली के मौके पर लक्ष्मी को अपने घर आने का न्यौता देने के शगुन में वह महंगाई को कतई आड़े नहीं देंगे.

रामराज कॉटन ने 7 खूबसूरत रंगों में नए टिशू धोती कलेक्शन को लॉन्च किया

मुंबई। भारत के नंबर 1 पारंपरिक और एथनिक वियर ब्रांड, रामराज कॉटन, ने अपने नए टिशू धोती कलेक्शन की घोषणा की है। यह कलेक्शन परंपरा और आधुनिक स्टाइल का खूबसूरत मेल है, जिसे खासतौर पर आज के समय की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। प्रीमियम कलेक्शन में चमचमाती जरी और मुलायम, ब्रीदेबल कॉटन का इस्तेमाल किया गया है, जिससे स्टाइल और आराम का परफेक्ट संतुलन मिलता है। हल्के वजन की यह टिशू धोती अपने शानदार ड्रैप और हल्की-सी चमक के कारण त्योहारों और खास मौकों के लिए एक बेहतरीन विकल्प है, जो आपको न केवल सुंदर दिखने का बल्कि आरामदायक महसूस करने का भी अनुभव देती है। इस नए कलेक्शन में क्लासिक व्हाइट के साथ गोल्डन बॉर्डर से लेकर रामा ग्रीन, गोल्ड, रोज गोल्ड, लैवेंडर, सायन, मॉस ग्रीन, सिल्वर और स्टील ग्रे जैसे चमकदार रंग शामिल हैं, जो हर त्योहार पर आपकी स्टाइल को खास बनाते हैं। बड़ी बारीकी से बुनी गई ये धोती न केवल हल्की और पहनने में आसान है, बल्कि कोमल एहसास देती है, जिससे आप पूरे दिन आरामदायक महसूस करेंगे। रामराज कॉटन के फाउंडर और चेयरमैन के.आर. नागराजन ने कहा, हमारी पारंपरिक कारीगरी के प्रति समर्पण यह दिखाता है कि फैशन के इस दौर में भी धोती जैसी सांस्कृतिक पहचान की अहमियत बरकरार है। बढ़ती मांग को देखते हुए, हमने पुरुषों और बच्चों के लिए टिशू जरी धोती पेश की है, क्योंकि त्योहारों के लिए महिलाओं की तुलना में पुरुषों के पास कपड़ों के कम विकल्प होते हैं।

हेमटेक्स्टिल कारपेट फेयर से निर्यातकों को जगी उम्मींदे

14 से 17 जनवरी 2025 तक फ्रैंकफर्ट, जर्मनी में आयोजित इंटरनेशनल फेयर में भागीदारी के लिए सीईपीसी ने जारी किया एडवाइज लेटर

वाराणसी। जर्मनी का सबसे बड़ा कारपेट फेयर डोमोटेक्स कैंसिल होने से निराश निर्यातकों के लिए हेमटेक्स्टिल-2025 एक सुनहरा मौका है। जर्मनी के फ्रैंकफर्ट में 14 से 17 जनवरी 2025 तक आयोजित इस कारपेट फेयर के लिए कालीन निर्यात संवर्धन परिषद ने मंगलवार को एडवाइजरी जारी की है। परिषद के चेयरममैन कुलदीप राज वट्टल ने भदोही-मिजार्पुर, वाराणसी सहित देश के कालीन निर्यातकों से अपील की है कि उनके लिए फेयर काफी मुफीद

साबित होने वाला है। कुलदीपराज ने कहा है कि कालीन के लिए सबसे महत्वपूर्ण इंटरनेशनल फेयर जर्मनी के हनोवार में आयोजित चार दिवसीय डोमोटेक्स 2025 निरस्त होने के बाद फ्रैंकफर्ट का हेमटेक्सिटल-2025 काफी बेहतर हो सकता है। इसके लिए सीईपीसी प्रशासन समिति व सीईपीसी के सदस्यों ने अपनी रुचि दिखाते हुए तत्काल प्रभाव से स्टॉल बुकिंग के लिए प्रारुप जारी किया है। जो निर्यातक इस फेयर में अपना रुचि रखते है, वे बुकिंग करा सकते है। उन्होंने कहा कि मेले में भागीदारी के लिए 2 (01 टेबल, 02 कुर्सियां, 10 स्पॉटलाइट, 10 कालीन के साथ एक निर्मित स्टैंड प्रदान किया जाएगा)। आवेदकों को अपना फार्म फिलप करके सब्मिट करना है।

आवेदकों को बिल्ट-अप स्टैंड के लिए 49,000.00 प्रति वर्ग मीटर की दर से भुगतान करना आवश्यक है। दो तरफ खुले व कोने वाले स्टैंड पर भागीदारी शुल्क की 10 फीसदी अतिरिक्त राशि होगी। जबकि खुले बूथ के लिए अलग दर तय किया है। जारी एडवाइजरी में अंकित स्टॉल बुकिंग की शर्ते व नियम के तहत अपना आवेदन कर सकते है। बेयर के लिए सब्सिडी के बाद भागीदारी शुल्क 46,000 प्रति वर्ग मीटर 24,000 रुपये प्रति वर्ग मीटर है। एमएआई विभाग से अनुदान की प्राप्ति पर एमएआई नियम एवं शर्तें लागू है। बूथ 9, 12 और 18 वर्ग मीटर के आकार में उपलब्ध हैं। जो अधिकतम क्षेत्र में एक को आवंटित किया जाएगा। एक कंपनी के लिए 18 वर्ग मीटर है. योग्य आवेदक, कंपनियां केवल इकोनॉमी श्रेणी के हवाई किराए की प्रतिपूर्ति के भी हकदार होंगी। अधिकतम 90,000 निर्धारित प्रारूप में अपने दावे के दस्तावेज जमा करने पर होंगे। आयोजन समापन होने पर प्रति कंपनी एक व्यक्ति के लिए हवाई टिकट की प्रतिपूर्ति की जाएगी। योग्य प्रदर्शक प्रदर्शनों के शिपमेंट के लिए माल ढुलाई शुल्क की प्रतिपूर्ति का भी दावा कर सकते हैं। रुपये की ऊपरी सीमा के साथ 50 फीसदी फंडिंग के आधार पर। 50,000 रुपये प्रतिपूर्ति की राशि होगी। अधिक जानकारी के लिए सीईपीसी कार्यालय से संपर्क कर सकते है।

अधिकांश घर खरीदारों को उम्मीद है कि अगले 12 महीनों में संपत्ति की कीमतें 6-15% तक बढ़ेंगी: मैजिकब्रिक्स सर्वे

मुंबई। भारत के प्रमुख रियल एस्टेट प्लेटफॉर्म, ने यह बताया है कि आवासीय रियल एस्टेट एक पसंदीदा निवेश विकल्प के रूप में उभर रहा है। प्लेटफॉर्म के नवीनतम सर्वेक्षण के अनुसार, INR 20-30 लाख की वार्षिक आय वाले खरीदार घर खरीदने में सबसे अधिक रुचि दिखा रहे हैं, जो मध्यम-आय वर्ग की बढ़ती आकांक्षाओं को दर्शाता है। ये खरीदार मुख्यतः INR 75 लाख से 1 करोड़ की संपत्तियों में निवेश करने पर विचार कर रहे हैं। सर्वेक्षण से यह भी पता चला कि अधिकांश खरीदार अगले 12 महीनों में 6-15% की कीमत वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं, और उनका ध्यान पूंजी की प्रशंसा और किराए की बढ़ती दरों पर है। 35% ने निवेश का मुख्य कारण रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट (ROI) बताया, जबकि 22% ने किराया वृद्धि को प्राथमिकता दी। खरीदार अपनी वार्षिक आय का 4-5 गुना निवेश करने के लिए तैयार हैं। INR 20-30 लाख वार्षिक आय वाले खरीदार INR 75 लाख से 1 करोड़ के बीच की संपत्तियों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जबकि INR 30-50 लाख आय वर्ग के लोग INR 1-1.5 करोड़ की संपत्तियों में निवेश करने की योजना बना रहे हैं। 1 करोड़ से अधिक आय वाले परिवार आम तौर पर INR 3.5-5 करोड़ के बजट में निवेश करना पसंद करते हैं। ये निष्कर्ष रियल एस्टेट बाजार में सकारात्मक भावना को दर्शाते हैं, जो पूंजी वृद्धि और बढ़ते किराए की अपेक्षाओं से प्रेरित है।

मौन अलार्म से टीकाकरण के माध्यम से आशा की किरण तक

ठाणे। मेनिनजाइटिस एक गंभीर टीका रोकथाम योग्य संक्रमण है जो विशेष रूप से बच्चों के लिए महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ पैदा करता है। विश्व मेनिनजाइटिस दिवस का उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना और इस बीमारी को हराने के लिए वैश्विक प्रयासों को बढ़ावा देना, प्रारंभिक पहचान की जीवनरक्षक क्षमता को बढ़ावा देना और टीकाकरण के माध्यम से इसकी रोकथाम करना है। हर साल वैश्विक स्तर पर 2.5 करोड़ से अधिक मामले सामने आने के साथ, मेनिनजाइटिस एक गंभीर स्वास्थ्य संकट का प्रतिनिधित्व करता है, क्योंकि इस बीमारी से मरने वालों में से लगभग 70% पांच साल से कम उम्र के बच्चे हैं। मेनिनजाइटिस मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी (मेनिन्जेस) के आसपास की परत की सूजन है और यह आमतौर पर बैक्टीरिया, फंगल या वायरल संक्रमण के कारण होता है। मेनिनजाइटिस के रोगियों में नैदानिक विशेषताएं कारण, रोग के पाठ्यक्रम (एक्यूट, उप-एक्यूट या क्रोनिक), मस्तिष्क की भागीदारी (मेनिंगो-एन्सेफलाइटिस) और प्रणालीगत जटिलताओं (जैसे, सेप्सिस) के आधार पर भिन्न होती हैं। भारत मेनिनजाइटिस से संबंधित मौतों की सबसे अधिक संख्या वाले शीर्ष तीन देशों में से एक है। एक्यूट बैक्टीरियल मेनिनजाइटिस का कारण बनने वाले तीन रोगजनकों में से, निसेरिया मेनिंगिटिडिस उपचार के बावजूद 15% तक की उच्च मृत्यु दर और अनुपचारित होने पर 50% तक की उच्च मृत्यु दर के लिए जिम्मेदार है। डॉ. आनंद बेडेकर, कंसल्टेंट नियोनेटोलॉजी और बाल रोग विशेषज्ञ, डॉ. बेडेकर हॉस्पिटल फॉर विमेन एंड चिल्ड्रेन, ठाणे के अनुसार, मेनिनजाइटिस एक तेजी से बढ़ने वाला और जानलेवा संक्रमण है, खासकर छोटे बच्चों में। इसके गंभीर प्रभाव को रोकने के लिए टीकाकरण हमारा सबसे शक्तिशाली बचाव है। उच्च जोखिम वाले समूहों, जिनमें पांच साल से कम उम्र के बच्चे, कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले व्यक्ति और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में रहने वाले लोग शामिल हैं, को टीकाकरण को प्राथमिकता देनी चाहिए। प्रारंभिक टीकाकरण न केवल जीवन बचाता है बल्कि बीमारी से जुड़ी दीर्घकालिक जटिलताओं को रोकने में भी मदद करता है।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया 28 अक्तूबर से 03 नवम्बर तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मना रहा है

मुंबई। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया 28 अक्तूबर से 03 नवम्बर तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मना रहा है, जिसका विषय है, केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा परिकल्पित सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि। युवाओं, महिलाओं, कर्मचारियों, उनके परिवार के सदस्यों और आम जनता के बीच पीआईडीपीआई, सतर्कता, ईमानदारी और नैतिकता के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए बैंक द्वारा विभिन्न कार्यक्रम निर्धारित किए गए हैं। साइबर अपराध पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। विषय के व्यापक प्रसार के लिए सोशल मीडिया का भी व्यापक उपयोग किया जा रहा है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के केंद्रीय कार्यालय में, एमडी और सीईओ, कार्यकारी निदेशक, बैंक के वरिष्ठ अधिकारी और क्षेत्र के अधिकारियों (पूरे भारत में) ने ईमानदारी की शपथ ली और ईमानदारी और सत्यनिष्ठा के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हुए। एमडी और सीईओ सुश्री ए. मणिमेखलाई ने अपने संदेश के माध्यम से सभी यूनियनाइट्स से जीवन के सभी क्षेत्रों में ईमानदारी, पारदर्शिता और सत्यनिष्ठा का पालन करने की अपील की जिससे देश का सतत विकास और उज्जवल भविष्य का निर्माण हो सके। सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2024 पर माननीय राष्ट्रपति, माननीय उपराष्ट्रपति और माननीय प्रधान मंत्री के संदेशों से सभी उपस्थित लोगों को अवगत कराया गया।

मुलुंड के केशव पाड़ा, संमिश्र हा. सोसायटी के चुनाव में अमित यादव पैनल जीता

मुंबई। मुलुंड प.पर स्थित केशव पाड़ा समिश्र को. आप. हाउसिंग सोसायटी लि. के चुनाव एस.आर.ए. द्वारा नियुक्त चुनाव अधिकारी रणजीत चव्हाण की देखरेख में संपन्न हुआ। अमित यादव एवम कन्हैयालाल गुप्ता पैनल की चुनाव मे सदस्यों ने

अमित यादव पैनल को भारी बहुमतों से विजयी बनाया। चुने गये सदस्य निम्न लिखित है। ज्ञानेश्वर भुजाडे,माधव लाल जायसवाल,झब्रेकान गड़ा,लालता प्रसाद गुप्ता, राधामणी दिवाकरन, अमित यादव, सुहासिनी सालुंके,बिपीन पांडेय, कौशल्या दाभाडे, भारती कर्वे, प्रदीप भगत, मोहन जाधव। चुने गए नये सदस्यों का वरिष्ठ समाज सेवक डॉ. बाबुलाल सिंह एवम राजु कर्वे ने पुष्प गुच्छ प्रदान कर सम्मान किया एवम शुभकामनायें दी।

कमला प्रसाद तिवारी ने किया प्रधान वस्त्रालय का उद्घाटन

जौनपुर। कांग्रेस मंडल अध्यक्ष बदलापुर तथा पूर्व बड़ेबाबू कमला प्रसाद तिवारी ने आज घनश्यामपुर में डिग्री कॉलेज के बगल में प्रधान वस्त्रालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पूर्व प्रधानाचार्य राम कीरत दुबे ,प्रधानाचार्य विनोद तिवारी, रामफेर पांडे,वरिष्ठ शिक्षक मयाशंकर तिवारी, वीरेंद्र सिंह,राजेंद्र प्रसाद तिवारी, दीवान सतीश चंद्र सिंह समेत अनेक मान्यवर उपस्थित रहे। प्रधान वस्त्रालय के प्रोपराइटर तथा पूर्व प्रधान राम जियावन तिवारी ने समस्त लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। गुड्डू तिवारी, दिवाकर तिवारी (अर्जुन), अशोक तिवारी, प्रभाकर तिवारी, विष्णु तिवारी, सत्यम तिवारी ने आए हुए लोगों का स्वागत किया।